RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-279 | जयपुर, बुधवार, 08 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

अहमदाबाद में डोसा खाने से 2 बच्चियों की मौत

अहमदाबाद। अहमदाबाद के चांदखेड़ा क्षेत्र में 4 अप्रैल को डोसा खाने के बाद 2 बच्चियों की उल्टी होने से मौत हो गई थी। अगले दिन दोनों बच्चियों के शव दफना दिए गए थे। अब मामला दर्ज होने के चलते पुलिस ने एक बच्ची का शव कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। परिजनों का आरोप है कि मारुति प्लाजा सोसायटी में रहने वाला विमल प्रजापति घनश्याम डेयरी से डोसे का तैयार घोल लाए थे। इसी घोल से डोसा बनाकर विमल, उनकी पत्नी और दोनों बेटियों ने खाया था। डोसा खाने के बाद चारों की तबीयत बिगड़ी और 3 महीने की राहा और 4 वर्षीय मिश्री की उल्टी होने के बाद मौत हो गई। वहीं विमल प्रजापति और पत्नी भावना प्रजापति का चष्ठ हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

एयर इंडिया के सीईओ का इस्तीफा

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयरलाइन एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। एयरलाइन के अनुसार नए उत्तराधिकारी की घोषणा होने तक विल्सन सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के पद पर बने रहेंगे।

भारत का 500 मेगावॉट परमाणु रिएक्टर आखिरी स्टेज में

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कलपक्कम में सोमवार रात भारत के 500 मेगावॉट 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' का दूसरा स्टेज पूरा हो गया। वो अब 'क्रिटिकलिटी' हासिल कर चुका है। इसका मतलब अब वो खुद से परमाणु रिएक्शन करे रहा है और ऊर्जा पैदा करना भी शुरु कर चुका है।

रिएक्टर पूरी तरह तैयार होने से अब सिर्फ एक चरण दूर है। इस प्रोजेक्ट में 80% से ज्यादा स्वदेशी तकनीक और उपकरणों का इस्तेमाल हुआ है।

चीन-रूस का होर्मुज खोलने की मांग पर वीटो, यूएन में प्रस्ताव गिरा, ट्रम्प की धमकी-

आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म होगी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान संकट के बीच संयुक्त राष्ट्र (UN) में होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर लाया गया प्रस्ताव पास नहीं हो सका। रूस और चीन ने इस पर वीटो कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्ताव में किसी तरह की सैन्य कार्रवाई की बात नहीं थी। यह प्रस्ताव बहरीन की तरफ से लाया गया था। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रस्ताव को पिछले दो हफ्तों में करीब 6 बार बदला गया था, क्योंकि कई देश इसके कुछ हिस्सों से सहमत नहीं थे।

दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि आज रात ईरान की पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है। ट्रम्प ने दावा किया कि आज रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे।

ट्रम्प की धमकी पर साउथ अफ्रीका स्थित ईरानी दूतावास ने जवाब दिया है। ईरान ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को ईरान की प्राचीन सभ्यता से ऐसा जवाब मिलेगा, जिसे कभी भूल नहीं पाएंगे।

ईरान में कई जगहों पर अटैक

इजराइली एयर फोर्स ने मंगलवार को ईरान में करीब 10 अहम रेल लाइनों और पुलों पर हमला किया है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यह हमले इसलिए किए गए ताकि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स अपने हथियार और सैन्य सामान एक जगह से दूसरी जगह न ले जा सके।

मलों से पहले इजराइल ने ईरान के लोगों को चेतावनी दी थी कि वे शाम तक ट्रेनों से दूर रहें। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स इन रेलवे और हाईवे पुलों का इस्तेमाल हथियार और सैन्य सामान ले जाने के लिए कर रही थी।

सबसे बड़ा हमला खार्ग आइलैंड पर हुआ, जहां ऑयल टर्मिनल को निशाना बनाया गया। ईरान का करीब 80 से 90% कच्चा तेल यहीं से एक्सपोर्ट होता है।

इसी दौरान कोम और कशान में भी पुलों को निशाना बनाया गया। काशान के पास यहयाबाद रेलवे पुल पर हमले में 2 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे के पुल पर भी हमला किया गया।

ईरान के समर्थन में खुलकर आए रूस-चीन

पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच मंगलवार को अमेरिका को झटका लगा है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस और चीन ने उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिसका मकसद हॉर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना था। यह प्रस्ताव ऐसे समय में पारित नहीं हो सका, जब ईरान से समझौते के लिए अमेरिका की समय सीमा नजदीक आ रही है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। सुरक्षा परिषद के 15 में से 11 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पाकिस्तान और कोलंबिया ने मतदान से दूरी बनाई। जरूरी नौ वोट मिल गए थे। फिर भी प्रस्ताव पारित नहीं हो पाया। रूस और चीन स्थायी सदस्य हैं। उनके पास वीटो शक्ति है।

इजराइली हमले में तेहरान के सिनेगॉग को नुकसान

इजराइली सेना ने तेहरान में हुए एक हमले की जिम्मेदारी लेते हुए माना है कि इस कार्रवाई में एक सिनेगॉग को नुकसान पहुंचा। इजराइली वे इस पर खेद जताया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सेना ने कहा कि उसका निशाना खात्म अल-अनबिया सैन्य कमांड से जुड़े एक सीनियर ईरानी कमांडर थे। इस दौरान सिनेगॉग को अनजाने में नुकसान पहुंचा।

सिनेगॉग यहूदी धर्म के लोगों के लिए पूजा की जगह होती है। यहूदी लोग सिनेगॉग का इस्तेमाल मिलने-जुलने और अध्ययन करने के स्थानों के रूप में भी करते हैं।

ट्रम्प ने हमला किया तो हम भी सरप्राइज देंगे

ट्रम्प की डेडलाइन से पहले ईरान की सेना ने कड़ा संदेश दिया है। ढ्ढक्रत्रष्ट से जुड़ी तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, एक सैन्य सूत्र ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी धमकियों को अमल में लाते हैं, तो हम भी सरप्राइज देंगे। ईरान अमेरिका और उसके सहयोगियों से भारी कीमत वसूलने से नहीं हिचकिचाएगा।

बारिश से प्रभावित मैच में यशस्वी और वैभव ने मचाया धमाल

मुंबई पर जीत के साथ राजस्थान शीर्ष पर पहुंची

गुवाहाटी

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल-2026 के 13वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हरा दिया। मंगलवार को मिली इस जीत से रॉयल्स की टीम 19वें सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम ने लगातार तीसरा मैच जीता है। वहीं, मुंबई लगातार दूसरा मैच हारी है।

गुवाहाटी में बारिश के कारण मैच ढाई घंटे की देरी से शुरू हुआ। इसे 11-11 ओवर का कर दिया गया था। टॉस हारकर बैटिंग कर रही राजस्थान ने तीन विकेट पर 150 रन बनाए। जवाब में मुंबई 9 विकेट पर 123 रन ही बना सकी। यशस्वी जायसवाल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली।

राजस्थान की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 32 बॉल पर 77 रनों की पारी खेली। उन्होंने 10 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने 14 बॉल पर 39 रन बनाए। दोनों ने 80 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। राजस्थान रॉयल्स ने लगातार तीसरा मैच जीतकर मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर जगह बना ली है। उसने पंजाब किंग्स को पीछे छोड़ा है। दूसरी ओवर मुंबई लगातार दूसरी हार के बाद 7वें नंबर पर है। टीम के पास महज 2 अंक ही हैं।

असम पुलिस की पवन खेड़ा के घर छापेमारी

कांग्रेस का दावा विपक्ष को डराने और आवाज दबाने की कोशिश

नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस के बीच टकराव तेज होता जा रहा है। असम पुलिस की एक टीम ने आज कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास का दौरा किया। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनके परिवार के खिलाफ खेड़ा द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े एक मामले के संबंध में की गई। कांग्रेस ने इसे विपक्ष की आवाज

दबाने के लिए राज्य मशीनरी का दुरुपयोग बताया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पुलिस की पूरी टीम पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने के लिए भेजी गई, वह दिखाता है कि असम के मुख्यमंत्री घबराए हुए हैं और उन पर हार का खतरा मंडरा रहा है।

यह घटना असम में गुरुवार को होने वाले चुनाव के लिए प्रचार चरम पर हुई है। सरमा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने उनकी पत्नी के खिलाफ आरोप लगाने के लिए पाकिस्तानी सोशल मीडिया समूह से झूठी जानकारी का इस्तेमाल किया। उन्होंने इन आरोपों को असम चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास और एक दंडनीय अपराध बताया था।

खेड़ा ने 5 अप्रैल को एक प्रेस वार्ता में सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर तीन देशों के पासपोर्ट रखने और संपत्ति की जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। उन्होंने इन आरोपों के समर्थन में कथित दस्तावेज भी दिखाए थे।

सबरीमाला मामले में सरकार ने दी सुप्रीम कोर्ट में बड़ी राहत

जज बोलीं- महिलाएं अछूत नहीं हो सकती, उठाए सवाल

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान बेंच ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं, इस पर मंगलवार को 5 घंटे सुनवाई की। केंद्र ने शुरुआत में ही सुप्रीम कोर्ट में सबरीमाला मंदिर में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर रोक लगाने का समर्थन किया। सरकार ने कहा- 2018 में सभी वर्ग की महिलाओं को एंट्री देने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और संप्रदाय के अपने अधिकार से जुड़ा है। अदालतें महिलाओं के

धार्मिक स्थलों में प्रवेश के मामले में दखल नहीं दे सकतीं। अगर कोई प्रथा गैर-वैज्ञानिक लगती है, तो उसका हल संसद या विधानसभा के पास है, न कि अदालत के पास।

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस फैसले में महिलाओं के प्रवेश पर रोक को 'छुआछूत' (अनुच्छेद 17 का उल्लंघन) माना गया था।

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा- इस मामले में अनुच्छेद 17 यानी छुआछूत के खिलाफ अधिकार पर दलील किस तरह पेश की जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को अछूत माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई अछूतपन न रह जाए।

हर धार्मिक प्रथा का सम्मान करना चाहिए

सरकार ने कहा, 'हर धार्मिक समूह की प्रथाओं का सम्मान करना चाहिए और हर चीज को गरिमा या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी मजार या गुरुद्वारे में सिर ढकना जरूरी है, तो इसे अधिकारों का हनन नहीं कहा जा सकता।

असम, केरल और पुदुचेरी में थमा चुनाव प्रचार, 9 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली

असम, केरल और पुदुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान मंगलवार शाम 5 बजे समाप्त हो गया। इसके साथ ही चुनाव आयोग के निर्देशानुसार 'साइलेंस पीरियड' लागू हो गया है। इन तीनों क्षेत्रों की कुल 296 सीटों (असम-126, केरल-140, पुदुचेरी-30) पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा, जबकि मतों की गिनती 4 मई को होगी। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के तहत मतदान से 48 घंटे पहले साइलेंस पीरियड प्रभावी हो जाता है। इस अवधि में किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार, टीवी-रेडियो प्रसारण, रैलियों या मतदाताओं को प्रभावित करने वाली सामग्री के प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध रहता है। असम विस चुनाव असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन वापसी के अंतिम दिन 67 उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए। इनमें केवल 59 महिला उम्मीदवार हैं, जो कुल का लगभग 8 प्रतिशत है, जबकि महिला मतदाताओं की भागीदारी करीब 50 प्रतिशत है।

मणिपुर- बम हमले में 2 बच्चों की मौत के बाद हिंसा, सीआरपीएफ कैंप पर हमला

जवाबी फायरिंग में 2 की जान गई

इंफाल

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मोइरांग ट्रोंगलाओबी इलाके में सोमवार देर रात उग्रवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब बच्चे अपनी मां के साथ बेडरूम में सो रहे थे। मां घायल है।

स्थानीय लोगों ने घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट

किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोइरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया।

इसके बाद भीड़ ने घटनास्थल से 100 मीटर दूर CRPF कैंप पर भी हमला कर दिया। जवाबी फायरिंग में 2 की मौत हो गई, पांच घायल हो गए। मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, इंफाल वेस्ट, इंफाल ईस्ट, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सर्विस को 3 दिनों के लिए बंद कर दिया है।

मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस जुर्म के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान की जाएगी और उनसे कानून के तहत सख्ती से निपटा जाएगा। खेमचंद ने कहा कि यह हमला एक बर्बर हरकत है और इंसानियत पर सीधा हमला है। यह मणिपुर में मुश्किल से मिली शांति को पटरी से उतारने की कोशिश है।

पाकिस्तान से आई 25 करोड़ की क्रिस्टल ड्रग्स जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

बाड़मेर

सीमावर्ती जिले बाड़मेर में पुलिस और एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में पाकिस्तान से आई करीब पांच किलो स्टिल (मेथामफेटामाइन) ड्रग्स जब्त की गई है। इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक अन्य आरोपित को पूछताछ के बाद डिटेन किया गया है।

जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस का दावा है कि इस इलाके में पहली बार इस तरह की सिंथेटिक ड्रग्स की खेप पकड़ी गई है। राजस्थान एटीएस-गुजरात एटीएस और बाड़मेर पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन चलाते हुए नेशनल हाईवे-68 (राजस्थान-गुजरात) पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक ईको कार से पांच किलो मेथामफेटामाइन ड्रग्स बरामद की गई। मौके से दो तस्कर शंकरलाल और सलमान खान (निवासी सज्जन का पार) को गिरफ्तार किया गया। एसपी चुनाराम जाट के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि यह ड्रग्स पाकिस्तान से तस्करी कर लाई गई थी।

प्रदेश में तेज हवाओं के साथ बारिश, नागौर-टोंक में गिरे ओले

उदयपुर में अंधड़ से दीवार गिरी, सीकर में दो-दो फीट भरा पानी

जयपुर

राजस्थान में नए वेदर सिस्टम के कारण बारिश हुई। उदयपुर में अंधड़ से खेरवाड़ा में मकान की दीवार गिर गई। कई जगह टीनशेड उड़ गए। जयपुर में रुक-रुक कर देर रात तक बारिश होती रही। नागौर में तूफानी बारिश के साथ ओले भी गिरे। जैसलमेर के रामदेवरा में बरसात का पानी दुकानों में घुस गया। सीकर में नवलगढ़ और पिपराली रोड पर दो-दो फीट पानी भर गया। सीकर-झुंझुनूं बॉर्डर के पास कई गांवों में ओले गिरे। आंधी-बारिश की चेतावनी के कारण नागौर की दो मंडियों करीब 80 हजार

बोरियां भीग गईं। नागौर कृषि मंडी 50 हजार और मेड़ता मंडी में करीब 30 हजार बोरियां बारिश में भीग गईं। बारिश-ओलावृष्टि से फसलों को भी नुकसान हुआ है।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 8 अप्रैल को भी इस सिस्टम का असर रहेगा। वहीं, 9 अप्रैल से मौसम साफ रहने की संभावना है।

बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों के साथ सरकार को भी चिंता में डाल दिया है। सरकार किसानों के नुकसान का जल्द ही सर्वे करवाएगी। आंधी बारिश से प्रदेश के कई शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिली।। शहरों के तापमान में 2 से 7 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को अजमेर, पिलानी, जयपुर, सीकर, कोटा, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, नागौर, दौसा और प्रतापगढ़ में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। अजमेर में 16, जैसलमेर में 16, नागौर में 17 और बीकानेर में 15 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। नागौर में तूफानी बारिश हुई। जैसलमेर के रामदेवरा में बरसात का पानी दुकानों में घुस गया। नागौर-टोंक में ओले भी गिरे। आंधी-बारिश की चेतावनी के कारण नागौर की दो मंडी में मंगलवार को अवकाश रहा। जयपुर, फलोदी, बीकानेर सहित कई जिलों में फसलों को भी नुकसान हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राज्य के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश दर्ज। सर्वाधिक बारिश फलोदी में 42.2 मिमी दर्ज की गई है। मंगलवार को जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर व उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में तेज मेघगर्जन, आकाशीय बिजली के साथ मध्यम से तेज बारिश हुई। इस दौरान जयपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में 30 से 50 मिमी तक बारिश व कहीं-कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई। 8 अप्रेल को भरतपुर, जयपुर संभाग के उत्तरी भागों में हल्की बारिश होने व शेष अधिकांश भागों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। राज्य में 9 अप्रेल से आगामी 4-5 दिन अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत शुष्क रहने तथा 10 अप्रैल से तापमान में 3-4 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क का भंडाफोड़, दो पाकिस्तानी आतंकी समेत पांच गिरफ्तार

16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर

श्रीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में दो पाकिस्तानी आतंकियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी

बरामद किया। जांच में LeT के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

जानकारी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक सुनियोजित अभियान के तहत राजस्थान और हरियाणा सहित कई राज्यों में कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस को मॉड्यूल से जुड़े कई आपत्तिजनक और महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चलता है कि एक अन्य आतंकवादी दूसरे राज्यों में लश्कर-ए-तैयबा नेटवर्क की मदद से जाली कागजात और पहचान के आधार पर देश से बाहर जाने में कामयाब रहा।

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

भोपाल पुलिस के इनपुट पर यूपी एसटीएफ ने कछुआ तस्कर को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्कर को लखनऊ के सैरपुर स्थित आईआईएम रोड से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने यह कार्रवाई भोपाल पुलिस के इनपुट मिलने पर की। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सैरपुर थाने में दाखिल किया गया। जहां भोपाल पुलिस साथ लेकर चली गई। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, आरोपी रविंद्र उर्फ रमन मलिहाबाद के बख्तियार नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के भोपाल में कछुआ तस्करी का मामला दर्ज था। भोपाल पुलिस को इनपुट मिला का रविंद्र उर्फ रमन लखनऊ में छिपा है। इस पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ से सहयोग मांगा। संयुक्त टीम ने रविवार को आईआईएम रोड स्थित सैरपुर थाना क्षेत्र से सुबह करीब 11:45 बजे दबोचा गया। एसटीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश की नदियों से प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजाति के कछुओं को निकालकर अंतर्राज्यीय तस्करों को सप्लाई करता था। आगे की कार्रवाई मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की जाएगी।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बार-बार हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है

गुजरात को लेकर दिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर भड़की बीजेपी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर एक टिप्पणी की जिसने विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

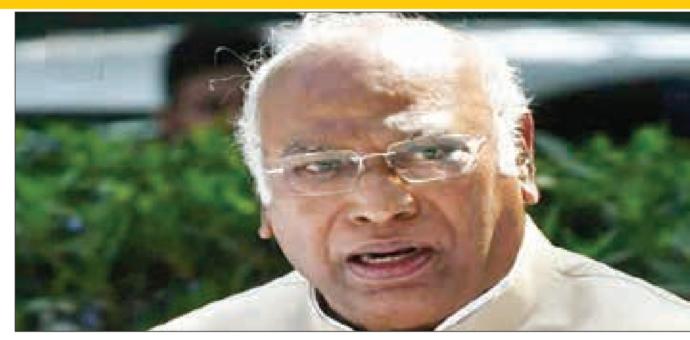

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदीजी, विजयनजी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ़ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को बेवकूफ़ नहीं बना सकते। खड़गे के इस बयान के बाद बीजेपी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट में कहा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा। संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खड़गे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है और कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी, उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ नहीं करेगा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर पलटवार करते हुए पूछा कि वे महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की बुद्धिमत्ता के बारे में क्या सोचते हैं, जो सभी गुजरात, यूपी और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आते थे। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका करारा जवाब देगी।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई में चुनावी दौरा किया रद्द, समय की कमी और पुलिस पाबंदियों का हवाला

चेन्नई (एजेंसी)। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्तरी कड़गम (टीवीके) ने सोमवार को चेन्नई में प्रस्तावित चुनावी प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय को विल्लीवाक्कम और टी नगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो करने थे, लेकिन प्रशासनिक पाबंदियों के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा दोनों स्थानों के बीच आवागमन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसी वजह से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस तरह की पाबंदियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि टीवीके इस मामले को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के समक्ष उठाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में इस तरह की प्रशासनिक चुनौतियां राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बड़ी समस्या बन सकती हैं। वहीं, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की भूमिका भी अहम मानी जाती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में सभी दल अपने-अपने स्तर पर प्रचार में तेजी ला रहे हैं, और हर छोटा घटनाक्रम चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

असम में कल्पना के हेलीकॉप्टर को उतरने की नहीं दी अनुमति, डर में हिमंता?

-सोरेन ने फोन के जरिए लोगों से कहा- मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं

दिसपुर, (एजेंसी)। असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है।

कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया। लोगों से कहा कि वे तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर वोट देकर अपना जवाब दें। आखिर में उन्होंने कहा कि मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है। इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई। सुंदरम ने भारतीय दूतावास, तेल अवीव के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया और यूपी के श्रमिकों की सूची साझा की। दूतावास के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर कोई श्रमिक स्वेच्छा से भारत लौटना चाहे या स्थिति और बिगड़ती है, तो उनकी सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रम विभाग ने सभी जिला मजदूर कल्याण अधिकारियों को अलर्ट किया है कि अगर कोई श्रमिक परिवार से संपर्क कर सहायता मांगे तो तुरंत मदद की जाए। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता श्रमिकों की सुरक्षा है। अभी हालात नियंत्रण में हैं और श्रमिक अपने काम पर बने हुए हैं, लेकिन सरकार किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

पत्नी पर लगाए कांग्रेस नेताओं के आरोपों का है पाकिस्तानी कनेक्शन

असम सीएम सरमा ने कहा- यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले घाटी पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। जैसे-जैसे बरसी नजदीक आ रही है, घाटी में सतर्कता और सख्ती साफ दिख रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं और जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी का व्यापक नेटवर्क तैयार है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम कर सके।

इस बीच रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कश्मीर दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा कर सुरक्षा हालात और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चिनार कोर की तैयारियों की सराहना कर संकेत दिया कि अब सुरक्षा बल केवल जवाब देने की रणनीति तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि दुश्मन की हर चाल को पहले से भांपकर विफल करने के लिए तैयार हैं।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि अब पारंपरिक युद्ध के तरीके पर्याप्त नहीं हैं और ÷मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स÷ यानी बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सेना, वायुसेना, नौसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां एकीकृत ढांचे में मिलकर काम करेंगी। आधुनिक तकनीक, साइबर क्षमता और मानसिक दृढ़ता को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बताया गया। घाटी में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधियों के बाद सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी मुठभेड़ की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बल किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रहे। इसके अलावा, सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। ड्रोन, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खुफिया तंत्र को भी पहले से ज्यादा सक्रिय और मजबूत किया गया है। कुल मिलाकर, पहलगाम हमले की बरसी केवल एक याद नहीं, बल्कि एक मजबूत संकल्प का प्रतीक बन गई है। यह संकल्प है कि अब कोई चूक नहीं होगी और हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहल कर खतरे को खत्म करने वाला देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है—राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

हालांकि, मुख्यधारा की पार्टियों के उलट कुछ नए और छोटे दलों ने अलग राह चुनी है। अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने दो ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विजय इसके जरिए संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी ब्राह्मण-विरोधी नहीं है। वहीं, तमिल राष्ट्रवादी नेता सीमन की पार्टी नाम तमिलर कच्ची (एनटीके) ने सबसे अधिक छह ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सीमन ने मायिलापुर और श्रीरंगम जैसे क्षेत्रों को चुना है जहाँ ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। जानकारों का कहना है कि सीमन द्रविड़ दीवार को तोड़ने के लिए हर सामाजिक समीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु की चुनावी बिसात पर इस बार पारंपरिक जातीय प्रतिनिधित्व के मायने बदलते दिख रहे हैं।

कोटड़ी पुलिस की अवैध मादक पदार्थ पर कार्रवाई

गियर बॉक्स के पास रखी 51.16 ग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

स्कार्पियो जब्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

सवाईपुर। कोटड़ी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गस्त के दौरान एक स्कार्पियो गाड़ी से अवैध अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर स्कार्पियो गाड़ी को जप्त किया। कोटड़ी थाना प्रभारी महावीर प्रसाद मीणा ने जानकारी दी की जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव व राजेश आर्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा व सुरेश डाबरिया वृताधिकारी कोटड़ी के निर्देशन व महावीर प्रसाद मीणा थानाधिकारी कोटड़ी के नेतृत्व में

अवैध मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 51.16 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम सहित परिवहन मे प्रयुक्त स्कोपियों को जब्त कर दो तस्करों दिलखुश गुर्जर व श्याम लाल बैरवा को गिरफ्तार किया गया। 6 अगस्त सोमवार को महावीर प्रसाद. थानाधिकारी थाना कोटडी के निर्देशन में थाना की विशेष टीम द्वारा गश्त संदिग्ध वाहन स्कॉपियों को रूकवा कर तलाशी ली तो तलाशी में गियर बॉक्स के पास अवैध मादक पदार्थ अफिम 51.16 ग्राम बरामद किया गया व अवैध मादक पदार्थ अफिम परिवहन में इस्तेमाल स्कोपियों को जब्त कर तस्करी करते हुए दिलखुश पिता शंकर लाल गुर्जर उम्र 27 निवासी कोदिया पुलिस थाना कोटड़ी व श्यामलाल पिता प्रभु बैरवा जाति बैरवा उम्र 25 साल निवासी कोदिया पुलिस थाना कोटड़ी को गिरफ्तार किया। एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अभियुक्तगणों से अवैध मादक पदार्थ अफिम खरीद व सप्लाई के सम्बन्ध में पूछताछ की जा रही।

गठित विशेष टीम :- महावीर प्रसाद मीणा थानाधिकारी, गोपाल लाल एएसआई, कमलेश कुमार दीवान, कांस्टेबल अकबर, जोमदीन, राकेश कुमार आदि शामिल रहे।

झांसा देकर लव जिहाद में फंसाया, आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पुलिस थाना शाहपुरा ने सोशल मिडिया पर नाम पता गलत बताकर लव जिहाद का झांसा देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया इस मामले में आरोपी मुर्षिदुल लस्कर को गिरफ्तार किया है। एसपी धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार लव जिहाद का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु राजेश आर्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा के निर्देशन में व ओमप्रकाश विश्नोई वृताधिकारी शाहपुरा के सुरपरविजन में सुरेश चन्द थानाधिकारी पुलिस थाना शाहपुरा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। 23.03. 2026 को प्रार्थी ने पुलिस अधीक्षक भीलवाडा को एक रिपोर्ट पेश कि ओर बताया की मेरी पुत्री को आर्यन सिंह राजपुत नाम के व्यक्ति ने सोशल मिडिया इन्स्टाग्राम के जरिये मित्रता करके भाम्रक व गलत जानकारी देकर मानसिक रुप से प्रभावित करके शादी करने का दबाव बना रहा है। जानकारी करने पर लडके का नाम मुर्षीदुल मुसलमान पता चला है। उक्त रिपोर्ट पर पुलिस ने आईटी एक्ट व पोक्सो एक्ट मे मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी सहायता से आरोपी मुर्षिदुल इस्लाम लस्कर को बैंगलोर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में थाना अधिकारी के साथ राजेश कुमार मीणा सउनि पुलिस थाना शाहपुरा, कांस्टेबल हन्नी सिंह, अरविन्द सिह, सुर्यवीर सिह शामिल थे।

शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर अवकाश कटौती पर जताया विरोध

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शिविरा पंचांग 2026-27 में ग्रीष्मावकाश व संस्था प्रधान द्वारा घोषित अवकाश में की गई कटौतियों के विरोध में राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर जिले भर में शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर सांकेतिक विरोध जताया हैं। संगठन के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा और जिलामंत्री महेश मंडोवरा ने बताया कि राजस्थान की भौगोलिक परि-स्थतियों व भीषण गर्मी को देखते हुए जून माह में विद्यालय खोलना पूर्णतया अव्यावहारिक है। क्षेत्रीय व स्थानीय उत्सवों एवं आयोजनों में राजकीय अवकाश नहीं होने पर भी वहाँ के शत प्रतिशत बालकों की भागीदारी उसमें रहती है,इसी कारण से संस्था प्रधान द्वारा दो अवकाश घोषित किए जाने का प्रावधान रखा गया था। शिक्षा विभाग द्वारा इस प्रकार के गलत व अव्यावहारिक आदेश के विरोध स्वरूप आज जिले भर में सैकड़ों शिक्षकों ने अपने कार्यस्थल पर विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध कर अपनी ड्यूटी का निर्वहन किया। प्रदेश संगठन मंत्री लीलाधर तिवारी ने बताया कि विरोध की इसी कड़ी में 20 अप्रैल को राजस्थान के हर जिले में जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।

भीलवाड़ा में एएनटीएफ की बड़ी कार्यवाही: 850 ग्राम अफीम के साथ जोधपुर का तस्कर गिरफ्तार, सप्लाई की फिराक में था आरोपी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले में मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 850 ग्राम अवैध अफीम बरामद की है। यह कार्रवाई शहर के संतोषी माता मंदिर रोड क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी सप्लाई देने की तैयारी में खड़ा था।

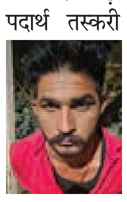

पुलिस के अनुसार एएनटीएफ की भीलवाड़ा चौकी को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि पुलिस लाइन के पास एक संदिग्ध व्यक्ति अफीम लेकर खड़ा है और उसे किसी को सप्लाई करने वाला है। सूचना मिलते ही एएनटीएफ टीम ने गांधीनगर थाना पुलिस को साथ लेकर मौके पर दबिश दी।

जैसे ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, संदिग्ध युवक घबराकर भागने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्षेत्र में घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 850 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान भोमाराम जाट (25) पुत्र गंगाराम जाट निवासी डूडीनगर, दुगर आगोलाई, जिला जोधपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी से महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वह अफीम कहां से लेकर आया था और भीलवाड़ा में किसे सप्लाई करने वाला था। साथ ही इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और संभावित तस्करी नेटवर्क की भी गहन जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी एएसआई अयुब खां सहित एएनटीएफ और गांधीनगर थाना पुलिस की टीम सक्रिय रही। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खटारा बाल वाहन, बिना परमिट मौत की सवारी!

स्मार्ट हलचल | भैरू चौधरी

कोटड़ी। तहसील क्षेत्र के कोटड़ी, पारोली और बडलियास इलाकों में स्कूली बच्चों की सुरक्षा के साथ खुलेआम खिलवाड़ किया जा रहा है। निजी उपयोग के लिए खरीदी गई वेन और टेम्पो को बिना वैध परमिट के स्कूल वाहनों के रूप में चलाया जा रहा है। कई वाहन खटारा हालत में हैं, फिर भी रोजाना बच्चों को इन्हीं में भरकर स्कूल पहुंचाया जा रहा है। मंगलवार को इस लापरवाही का गंभीर नतीजा सामने आया, जब मोडिया खेड़ा और बेलवा गांव के बीच एक स्कूल बस हादसे का शिकार हो गई। हादसे में कुछ बच्चों को चोटें आई हैं। घटना के

बाद प्रशासन मौके पर पहुंचा, वहीं ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिला। लोगों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग कार्रवाई नहीं कर रहा।

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में चल रहे अधिकांश स्कूल वाहन न तो फिटनेस नियमों पर खरे उतरते हैं और न ही उनके पास वैध परमिट है। इसके बावजूद परिवहन विभाग और आरटीओ की निष्क्रियता सवालों के घेरे में है।

चिकित्सा महाविद्यालय में नर्सेज संवर्ग के पदों को समाप्त करने का विरोध

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान में राजमेश के अधीन संचालित सात चिकित्सा महाविद्यालयों के अधीन विभिन्न संवर्गों के स्वीकृत 1267 नियमित पदों को समाप्त करने के विरोध के तहत् भीलवाड़ा जिले के 87 नर्सिंग ऑफिसर के पद मेडिकल कॉलेज से विलोपित किए जाने के संदर्भ में राजस्थान नर्सेज यूनियन के जिलाध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व मे सैकड़ों नर्सेज ने भीलवाड़ा जिला सांसद दामोदर अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा।। इस दौरान जिला प्रवक्ता गिरिराज लड्ढा ने बताया कि वर्तमान में 87 नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नियमित कर्मचारी पिछले 9 वर्षों से कार्यरत हे ओर हर कर्मचारी अपने विभागों में पूर्ण दक्षता से कार्य कर रहा हे।।राज्य सरकार के राजमेश में पद विलोपित के आदेश के बाद

राजमेश के अधीन 7 मेडिकल कॉलेज के कुल 747 नर्सेज के पदों के विलोपन में भीलवाड़ा जिले में भी 87 नियमित नर्सेज के पद विलोपित हुए हे जिससे जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।।इस संदर्भ में ज्ञापन में जिला संयोजक अमित व्यास ने सांसद महोदय जी से पद पुनर्सजन कर सभी नर्सेज को जिले में ही यथावत रखा जाए इस हेतु आग्रह किया जिस पर जिला सांसद महोदय ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए सभी मेडिकल कॉलेज नर्सेज को पूर्ण आश्वस्त किया कि इस हेतु पूर्ण वार्ता उच्च स्तर पर की जायेगी उचित समाधान निकाला जाएगा।।इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल महोदया ओर महात्मा गांधी चिकित्सालय अधीक्षक महोदय ने भी सभी नर्सेज को विलोपित पदों के पुनः सर्जन ओर वेतन संबंधी समस्याओं के बारे में पूर्ण रूप से सकारात्मक सहयोग कर पूर्ण विभागीय जानकारी साझा की।

आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष में ब्लड बैंक में फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कई कर्मचारियों ने पूर्ण उत्साह के साथ रक्तदान किया इस अवसर पर राजस्थान नर्सेज यूनियन के कार्यकारी जिलाध्यक्ष ललित जीनगर, उपाध्यक्ष करण सिंह दिनेश खटीक, मेडिकल कॉलेज अध्यक्ष निरंजन चंपावत, , अंकित काबरा, कुलदीप आर्य सुनील व्यास, मनोज धाकड़, नर्सिंग अधीक्षक राजकुमार शर्मा, मुकुट राज सिंह शक्तावत, नौशाद खान, अनीता चौधरी, दिनेश तिवाड़ी, विमला व्यास, अनीता खोईवाल, नीलू सीखवाल, मितवा भोला, निर्मला मीणा, विमला व्यास, प्रीति त्रिपाठी, सोहन बैरवा मुरलीधर जीनगर, सत्यनारायण दीपक सर्वा, पवन सिंगल, लाड कंवर, अनु कंवर राठौड़ के साथ सैकड़ों नर्सेज ने ज्ञापन दिया।

सवाईपुर क्षेत्र में रिमझिम बारिश के साथ गिरे ओले

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। नए सिस्टम के सक्रिय होने से क्षेत्र में एक बार फिर से मौसम में करवट ली और मंगलवार दोपहर को मौसम का मिजाज बदला, जहां क्षेत्र के सवाईपुर, ढ़ेलाणा, बड़ला, बनकाखेड़ा, चावंडिया, सोपुरा, रेड़वास, कुड़ी, बोरखेड़ा, बोर्डियास, सोपुरिया, अगरपुरा, आदि कई गांवों में दिनभर रुक-रुककर रिमझिम बारिश के साथ छिट-पुट बड़े बेर के आकार के ओले गिरे। बारिश के चलने से क्षेत्र में लोगों को गर्मी व उमस से तो राहत मिली, लेकिन किसानों की चिंता की लकीरें बढ़ गई, क्योंकि इस समय खेतों में गेहूं, चना, व जौ कि फसले कटी हुई पड़ी है, जो रिमझिम बारिश से गीली हो गई। किसान फसलों व पशुओं के चारे के लिए खाखले की सार-संभाल में लगे रहे।

चेक अनादरण में दोषसिद्धि पर सवा लाख जुर्माना व 6 माह कारावास

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चित्तौड़गढ के पीठासीन अधिकारी संतोष कुमार बैरवा ने एक निर्णय मे चेक अनादरण के अपराध के लिये अभियुक्त को दोषसिद्ध करते हुए 1 लाख 25 हजार रूपये प्रतिकर राशि के रूप में अदा करने और 6 माह के साधारण कारावास सहित अदम अदायगी अर्थदण्ड एक माह के अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया। प्रकरणानुसार परिवादी बापूनगर सैंती निवासी शैलेन्द्र अग्रवाल पिता सुखवीर सिंह ने अधिवक्तागण नरेन्द्र कुमार पोखरना, मोहम्मद हारून नीलगर, अक्षत पोखरना के मार्फत चेक अनादरण का एक परिवाद अभियुक्त कैलाश परासर पिता वोटलाल, प्रोपराईटर एन.के. कंस्ट्रक्शन शंभूपुरा के विरूद्ध न्यायालय में इन तथ्यां के साथ पेश किया की अभियुक्त ने अपने वैध कार्यों में रुपयो की आवश्यकता होना बता कर परिवादी से 90 हजार रुपये उधार लिये। पुनर्भुगतान के लिये दिया गया चेक अपर्याप्त निधि के कारण अनादरित हो गया। नोटिस के बावजूद रकम अदा नहीं की गई।

प्रकरण की सुनवाई पूर्ण होने पर न्यायालय ने अभियुक्त को इस अपराध में दोषसिद्ध घोषित करते हुए निर्णय पारित किया।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच का समाज ने किया स्वागत

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच के एक दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दौरान जिला दाधीच समाज की ओर से उनका स्वागत किया गया। सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में जिला दाधीच मंडल के जिलाध्यक्ष राजमल जोशी कांदा और दाधीच समाज न्यास के अध्यक्ष हरिप्रकाश कंठ के नेतृत्व में समाजजनों ने दाधीच का अभिनंदन किया। इस दौरान साफा और माल्यार्पण कर उनका सम्मान किया गया। स्वागत के दौरान मुकेश दाधीच ने समाजजनों का आभार जताते हुए कहा कि वे समाज के विकास और हितों के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उन्होंने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की बात कही। इस मौके पर सामाजिक एकता और सहयोग को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर जमनालाल जोशी, सत्यदेव त्रिपाठी, गोपाल शर्मा, सुनील व्यास, राजीव दाधीच, सुनील जोशी, रमेश शर्मा, कुलदीप, घनश्याम शर्मा, अशोक जोशी, ओमप्रकाश व्यास, कन्हैयालाल, वीरेंद्र, राजू त्रिपाठी, जगदीश शर्मा, अशोक शर्मा अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन भीलवाड़ा शाखा का अजमेर में भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

भीलवाड़ा शाखा अध्यक्ष मधु लढा बनी प्रदेश कार्यकारी में जनसंपर्क प्रभारी

नई कार्यकारिणी ने संभाली जिम्मेदारी, समाज सेवा व महिला सशक्तिकरण के लिए लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, भीलवाड़ा शाखा का शपथ ग्रहण समारोह अजमेर के मित्तल मॉल में बड़े ही गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर देशभर से आई महिला प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान राजस्थान प्रादेशिक मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रथम बैठक का आयोजन अजमेर शाखा के आतिथ्य में किया गया। जिसमें अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा राठी एवं राष्ट्रीय सचिव बबीता दीदी

एवं नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष अंबिका हैडा एवं सचिव रागिनी खंडेलवाल, नीलम तापड़िया आदि पदाधिकारियों के सानिध्य में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को शपथ दिलाई। समारोह में नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को विधिवत शपथ दिलाई गई, जिसमें उन्होंने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों द्वारा भीलवाड़ा शाखा अध्यक्ष मधु लढा, सचिव अनुपमा मंत्री एवं कोषाध्यक्ष उषा सोनी को ऊपरना एवं पगड़ी पहनाकर पद की शपथ दिलाई। इस दौरान नव-निर्वाचित अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने, जरूरतमंदों की सहायता करने तथा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का संकल्प दोहराया। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा दीदी एवं सचिव बबीता दीदी ने भीलवाड़ा शाखा अध्यक्ष मधु लढा को प्रदेश कार्यकारी में जनसंपर्क पद की शपथ दिलाई। मधु लढा ने सभी प्रादेशिक सदस्याओ के साथ आत्मीय जनसंपर्क बनाने का संकल्प लिया। लढा ने कहा की नई टीम से संगठन को नई ऊर्जा मिली है। साथ ही सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। अंत में अजमेर शाखा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। समारोह में भीलवाड़ा से उषा सोमानी पुष्पा मुंद्रडा, मंजू झंवर, मंजू दरक, जतन हिंगड़ मंजू सोमानी सहित कई सदस्याओ ने भाग लिया।

महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती पर रक्तदान शिविर एवं निकलेगी शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। समाज सुधारक एवं महान विचारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर 11 अप्रैल को गंगापुर में माली समाज के तत्वावधान में विशाल रक्तदान शिविर एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा।

इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सोमवार को माली समाज धर्मशाला में समाज के गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नंदकिशोर गहलोत को कार्यक्रम का अध्यक्ष एवं भेरुलाल माली को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग टीमें बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई।

वहीं शोभायात्रा की संपूर्ण व्यवस्था की जिम्मेदारी पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गहलोत को सौंपी गई है। बैठक में युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया।

रामप्रसाद माली ने बताया कि कार्यक्रम के तहत 11 अप्रैल को प्रातः 9:00 बजे से माली समाज धर्मशाला, वार्ड नंबर 06 में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने की अपील की गई है। इसके साथ ही शहर में भव्य शोभायात्रा एवं वाहन रैली भी निकाली जाएगी, जिसमें समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

माली समाज के पदाधिकारियों ने सभी समाज बंधुओं एवं आमजन से इस पुण्य कार्य में भाग लेकर रक्तदान करने एवं शोभायात्रा में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

भक्ति की गूंज से गुंजायमान हुआ रामनिवास धाम, रामचरणजी महाराज का 228वां पुण्योत्सव संपन्न

पांच दिन तक चला श्रद्धा का महासंगम, भजन-कीर्तन से सजा आध्यात्मिक माहौल, महाआरती व स्तंभजी पूजन में उमड़ा जनसैलाब, संतों ने बताए भक्ति के मर्म

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा का रामनिवास धाम इन दिनों भक्ति और आस्था के रंग में पूरी तरह रंगा नजर आया, जब रामस्नेही संप्रदाय के संस्थापक महाप्रभु स्वामी रामचरणजी महाराज का 228वां पुण्योत्सव समारोह पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। पांच दिवसीय इस आध्यात्मिक आयोजन का सोमवार को भव्य समापन हुआ, जिसमें दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भाग लेकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम संप्रदाय के कार्यवाहक भंडारी संत नवनीध राम महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। सुबह की शुरुआत आरती-वंदना, ब्रह्म समाधि व राम पद्धति पाठ से हुई। इसके बाद रामनाम जप और भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों ने पूरे धाम को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। रामस्नेही गुरुकुल के बटूकों ने अपने सुमधुर पाठ और प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में महाप्रभु के स्तंभजी का विधिवत पूजन-अर्चन संत नवनीध राम महाराज एवं समाजसेवी सूर्यप्रकाश बिड़ला के सानिध्य में किया गया।

इसके पश्चात महाआरती वंदना में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां हर कोई भक्ति में लीन नजर आया। इस अवसर पर संत नवनीध राम महाराज ने महाप्रभु रामचरणजी की 'अणभैवाणी' की साखियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आज भी सनातन धर्म की आत्मा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे दूध में घी का विशेष महत्व होता है, वैसे ही जीवन में भक्ति का स्थान सर्वोपरि है।

समारोह में सेवा भाव की भी अनूठी मिसाल देखने को मिली। समाजसेवी सूर्यप्रकाश बिड़ला की ओर से 25 जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री के किट वितरित किए गए, वहीं मुख्य द्वार पर प्रसादी वितरण का आयोजन भी हुआ, जिससे हर श्रद्धालु ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

कार्यक्रम में सूर्यप्रकाश बिड़ला, रामगोपाल सोमाणी, लालूराम जागेटिया, महावीर तोशनीवाल, कैलाशचंद्र तोषनीवाल, रामेश्वरलाल बसेर, दीनदयाल मारू, डॉ. कैलाश मंडेला, राकेश सोमाणी, महावीर जागेटिया और नारायण सिंह राठौड़ सहित अनेक गणमान्य लोग उप-स्थत रहे। पांच दिन तक चले इस पुण्योत्सव ने न केवल श्रद्धा की नई मिसाल कायम की, बल्कि भक्ति, सेवा और संस्कारों का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया।

राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन दिखा फुटबॉल का रोमांच

सैनिक स्कूल मैदान पर खेल भावना का उमड़ा ज्वार

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के निर्देशानुसार एवं राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के मार्गदर्शन में जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का मंगलवार सुबह सैनिक स्कूल मैदान, चित्तौड़गढ़ में अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में मैच का आयोजन जारी रहा। चार दिवसीय इस खेल महाकुंभ के दूसरे दिन मैदान खिलाड़ियों के जोश, दर्शकों की तालियों और खेल भावना से सराबोर नजर आया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन अतिथि चित्तौड़गढ़ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद सिंह सिसोदिया रहे। आयोजन समिति के संयोजक धर्मेन्द्र सिंह तंवर, फैसल खान, शकील अहमद मंसूरी, शाहिद हुसैन, रफीक खान एवं उनकी टीम ने अतिथियों का मेवाड़ी परंपरा के अनुरूप पगड़ी एवं उपरणा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत-अभिनंदन किया। समारोह का सजीव और प्रभावी संचालन शाहिद हुसैन ने किया।

मुकाबलों में दिखा दमखम, टीमों ने दिखाई आक्रामक खेल शैली

प्रतियोगिता के उद्घाटन दिवस पर खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, आक्रामक रणनीति और शानदार फुटवर्क का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मैदान क्रमांक 1 पर खेले गए मुकाबले में जोधपुर ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जयपुर को 2-0 से पराजित किया। झुंझुनु एवं राजसमंद के मध्य खेले गए मुकाबले में झुंझुनु ने 2 गोल से विजय प्राप्त की। उदयपुर एवं सीकर के मुक़ाबले में उदयपुर ने सीकर को 3-1 से मात दी। चित्तौड़गढ़ एवं श्री गंगानगर के रोमांचक मुकाबला ने 0-0 से जीता। मैदान क्रमांक 2 पर अजमेर की टीम ने संगठित खेल का परिचय देते हुए पाली को 1-0 से शिकस्त दी। अलवर एवं भीलवाड़ा में मध्य खेले गए मैच में भीलवाड़ा ने अलवर को 1-0 से हराया। दोनों मैचों में खिलाड़ियों ने तेज़ पासिंग, सटीक स्ट्राइक और मजबूत डिफेंस के साथ खेल की उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का परिचय दिया। कोटा एवं नागौर के मुक़ाबले में कोटा ने नागौर को 5-0 से हराया। वही जोधपुर एकेडमी एवं हनुमानगढ़ में मध्य मुक़ाबले में .. विजेता रही।

500 से अधिक खिलाड़ी ले रहे भाग, नेशनल टीम चयन का अवसर

आयोजन समिति के फैसल खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें 500 से अधिक खिलाड़ी अपने हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस प्रतियोगिता का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि यहीं से चयनित प्रतिभावान खिलाड़ी राज-स्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो इसी माह छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे।

रेफरी व खेल सहयोगियों की अहम भूमिका

प्रतियोगिता को सफल एवं निष्पक्ष बनाने में रेफरी पैनल की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसमें कर्मवीर, यशवर्धन, भैरू, अरशद, हरीश भाटी, लोकेश, पवन, महिपाल सिंह, किशन, रिज़वान मंसूरी और अरशद खान अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ ही शारीरिक शिक्षक एवं सहयोगी स्टाफ सुरेश चंद्र नायक, मोहम्मद शकील मंसूरी, जगदीश समदानी, सोहनलाल मेघवाल, राधेश्याम तेली, अख्तर खान, कमलेश कुमार, मोहित दीवान, कमलेंद्र सिंह, कमलेश जाट, गोविंद सिंह एवं मोहम्मद आरिफ मंसूरी भी प्रतियोगिता को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दे रहे हैं।

रेगिस्तान की बेटी ने दिखाई रफ्तार, धापू चौधरी ने राष्ट्रीय स्तर पर जीता सिल्वर

स्मार्ट हलचल

बायतु/बालोतरा। क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण तब सामने आया जब बायतु की प्रतिभाशाली खिलाड़ी धापू चौधरी ने राष्ट्रीय स्तर की साइक्लिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता हैदराबाद में 4 व 5 अप्रैल 2026 को आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया वूमेन साइक्लिंग प्रतियोगिता के तहत सम्पन्न हुई।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आई महिला साइक्लिस्टों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में धापू चौधरी ने 20 किलोमीटर टाइम ट्रायल इवेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल कर सिल्वर मेडल जीता। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बायतु, बल्कि पूरे बालोतरा जिले का नाम रोशन किया है।

धापू चौधरी की मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। सीमित संसाधनों के बावजूद इस तरह का प्रदर्शन क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

धापू की इस सफलता की खबर मिलते ही क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लोगों का कहना है कि यदि ऐसे खिलाड़ियों को उचित सुविधाएं और प्रोत्साहन मिले, तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

अरनोदा में सीएचसी स्वीकृति पर विधायक कृपलानी का स्वागत

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

उपखंड क्षेत्र की अरनोदा ग्राम पंचायत मुख्यालय पर नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्वीकृति जारी होने के पश्चात पहली बार पहुंचे पूर्व यूडीएच मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्रीचंद कृपलानी का ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर गांव में उत्साह का माहौल रहा तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने एकत्र होकर विधायक के प्रति आभार प्रकट किया।

ग्रामीणजनों ने अरनोदा क्षेत्र में स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों के लिए भी विधायक का आभार व्यक्त किया। इनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में क्रमोन्नत करना, 15 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक डोम का निर्माण, चंबल परियोजना के तहत हर घर जल योजना से पंचायत को जोड़ना, अरनोदा से गोठा तक सड़क निर्माण तथा अरनोदा से मांगरोल मार्ग को एमडीआर में क्रमोन्नत करना प्रमुख हैं। ग्रामीणों ने कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा पूर्वी मंडल महामंत्री शैलेन्द्र पाटीदार द्वारा अपनी दिवंगत माताजी स्वर्गीय श्रीमती शारदा देवी पत्नी श्री सीताराम जी पाटीदार की स्मृति में बस स्टैंड स्थित चिकित्सालय के समीप वाटर कूलर स्थापित कर आमजन एवं राहगीरों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई। इस वाटर कूलर का विधिवत शुभारंभ विधायक श्रीचंद कृपलानी ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर विधायक कृपलानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। अरनोदा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वीकृति इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे क्षेत्रवासियों को अब उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गांव-ढाणी तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है और इसी क्रम में सड़क, पेयजल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

कृपलानी ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों के सहयोग से ही विकास कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने शैलेन्द्र पाटीदार द्वारा अपनी माताजी की स्मृति में वाटर कूलर लगवाने की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक पहल बताया और कहा कि ऐसे कार्य समाज में सेवा भाव को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में निवर्तमान जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, भाजपा पूर्वी मंडल अध्यक्ष अशोक जाट, महामंत्री शैलेन्द्र पाटीदार, नगर महामंत्री देवकरण समदानी, कैलाश सिंह झाला, मुरली प्रसाद पाटीदार गोपीलाल गायरी, मुकेश पाटीदार, सत्यनारायण शर्मा, चैनाराम, कैलाश राठौर, अमरचंद भील, घनश्याम, चंपालाल, परमेश्वर, मुरली प्रसाद, गणेश, धर्मेंद्र, कैलाश तेली, राधेश्याम, भगतराम, ताराचंद, नरेश, गोवर्धन, मुकन, मधुसूदन आदि सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में महामंत्री शैलेन्द्र पाटीदार ने सभी अतिथियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विकसित शहरी अभियान के तहत 8 अप्रैल को छह स्थानों पर होंगी वार्ड सभाएं

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

नगर परिषद चित्तौड़गढ़ द्वारा 'मुख्यमंत्री विकसित शहरी अभियान' के अंतर्गत शहर के सुनियोजित, समेकित, सतत एवं समग्र विकास के लिए वार्ड मास्टर प्लान तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी क्रम में 8 अप्रैल 2026 को शहर के छह विभिन्न स्थानों पर एक साथ वार्ड सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

अभियान के तहत प्रत्येक शहरी वार्ड के लिए वार्ड स्तरीय निरीक्षण दल गठित किए गए हैं, जो संबंधित वार्डों की डायनामिक प्रोफाइल तैयार करेंगे। इस प्रोफाइल में जनसांख्यिकीय जानकारी, आर्थिक गतिविधियां, आधारभूत सुविधाएं तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक पहलुओं से जुड़ी सूचनाएं संकलित की जाएंगी।

इन जानकारियों के आधार पर स्थानीय वार्डवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर अल्पकालिक, मध्यकालिक एवं दीर्घकालिक विकास प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे, ताकि भविष्य में क्षेत्रवार आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों की ठोस योजना बनाई जा सके। अभियान के अंतर्गत आमजन से सुझाव प्राप्त करने के लिए प्रत्येक वार्ड में सुझाव पेटिकाएं भी स्थापित की जाएंगी। इसके अलावा नागरिक अपने सुझाव ईमेल आईडी nagar-parishadchittorgarh@gmail.com के माध्यम से भी भेज सकते हैं। नगर परिषद प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने क्षेत्र की समस्याओं, आवश्यकताओं एवं विकास संबंधी सुझाव देने की अपील की है।

सभी वार्ड सभाएं दोपहर 3:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक आयोजित होंगी।

8 अप्रैल 2026 को इन स्थानों पर होंगी वार्ड सभाएं

वार्ड संख्या 1 - सामुदायिक भवन, सर्वोदय आश्रम, चंदेरिया

वार्ड संख्या 9 - नगर परिषद कार्यालय

वार्ड संख्या 12 - सामुदायिक भवन, कुंभा नगर

वार्ड संख्या 22 - सामुदायिक भवन, हाथी कुंड

वार्ड संख्या 34 - अटल सामुदायिक भवन, गांधीनगर

वार्ड संख्या 42 - मीरा मंच देहली गेट

माहेश्वरी महिला मंडल के नए सत्र का धार्मिक प्रश्नोत्तरी से शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। चंद्रशेखर आजाद नगर में माहेश्वरी महिला मंडल के नए सत्र का शुभारंभ धार्मिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम के साथ हर्षोल्लास के माहौल में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महेश की वंदना के साथ हुई, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। इस अवसर पर आयोजित धार्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मंडल की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और धर्म से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। महिला मंडल की अध्यक्ष चंदा जागेटिया ने बताया की कार्यक्रम में अतिथी के रूप मे उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा, जिलाध्यक्ष भारती बाहेती, पुर्व नगर सचिव सोनल माहेश्वरी को अपर्णा पहना कर स्वागत-अभिनंदन किया। जागेटिया ने बताया की मंडल की सभी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर धार्मिक ग्रंथो पर भाग लिया जिसमें गीता अध्याय, भागवत कथा, हनुमान चालीसा के ऊपर प्रश्नोत्तरी की गई। जिसमें सचिव ललित राठी के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत कर धार्मिक ग्रंथो के ऊपर दर्शाया। कार्यक्रम में बहुत सी महिलाओं ने भाग लिया जिसमें सुनीता जागेटिया कविता में प्रथम रही। शीतल माहेश्वरी ने समाज को सुनने से शिखर तक ले जाने के बारे में बताकर समाज का गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान मंडल की पदाधिकारियों ने नए सत्र की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वर्षभर आयोजित किए जाने वाले सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया। इस अवसर पर रीना बाहेती, ममता पलोड, आशा मूंदड़ा, पार्वती पटवारी, शिल्पा बसेर, कल्पना माहेश्वरी, कांता दरगद, निर्मला जागेटिया, पदमा लोहिया, रेखा बाहेती, रेखा हेडा, रेनू पलोड, लगभग 80 महिलाएं उपस्थित रही।

उदयपुर में नेमा महाजन समाज का स्नेह मिलन समारोह संपन्न, भवन निर्माण हेतु सहयोग अभियान की शुरुआत''

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

शहर के अमरखजी महादेव मंदिर परिसर में रविवार को नेमा महाजन समाज द्वारा स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। सुरम्य पहाड़ियों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे आयोजन का आनंद उठाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके बाद विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें समाजजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विशेष रूप से हाऊजी खेल ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया।

समारोह के दौरान समाज के अध्यक्ष तुहिन कुमार मालोत ने समाज की गतिविधियों की जानकारी देते हुए विकास एवं प्रगति के लिए भवन निर्माण संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की। इसी के साथ भवन निर्माण हेतु सहयोग अभियान की शुरुआत भी की गई, जिसे समाजजनों ने उत्साहपूर्वक स्वीकार किया।'

सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को और भी यादगार बना दिया। प्रांशी ने भक्ति गीत प्रस्तुत किया, जबकि मित्रांश ने कविता के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रांशी एवं कृष्णव ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

इसके अतिरिक्त ओम प्रकाश मेहता, धर्मेंद्र शाह, आशुतोष गुप्ता, सारांश मालोत, रश्मि मेहता, हर्षा गुप्ता, तुहिन मालोत एवं शिवांगी मालोत ने भी गीत, संगीत और कविता के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम का संचालन शिवांगी मालोत ने किया तथा प्रतिभागी बालक-बालिकाओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम में समाज के सदस्यों ने उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग प्रदान किया। कुल 50 हजार 400 की राशि एकत्रित हुई। इस सहयोग के लिए सभी दानदाताओं का सम्मान किया गया।

समाज की ओर से जानकारी दी गई कि भवन निर्माण हेतु एकत्रित राशि का अलग से हिसाब रखा जाएगा और इसी निधि का उपयोग निर्माण कार्यों में किया जाएगा। साथ ही अन्य समाजजनों से भी सहयोग की अपील की गई। अंत में अध्यक्ष एवं समस्त कार्यकारिणी ने सभी समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग और एकजुटता की अपेक्षा जताई।

रक्तदान शिविर का आयोजन 9 को, एनएसयूआई का सेवा संकल्प

स्मार्ट हलचल| निंबाहेड़ा

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर निंबाहेड़ा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 9 अप्रैल 2026 को राजकीय जिला चिकित्सालय, निंबाहेड़ा में प्रातः 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा।

एनएसयूआई परिवार निंबाहेड़ा द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य गर्मी के मौसम में होने वाली रक्त की कमी को दूर करना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। आयोजकों ने बताया कि गर्मी के दिनों में रक्तदान करने वालों की संख्या कम हो जाती है, जिससे अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता प्रभावित होती है। ऐसे में यह पहल समाजसेवा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शिविर में ब्लड संग्रहण का कार्य श्री सांवरियाजी राजकीय सामान्य चिकित्सालय द्वारा किया जाएगा।

कार्यक्रम में युवाओं, सामाजिक संगठनों, आमजन एवं विभिन्न संस्थाओं से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर रक्तदान करने की अपील की गई है। आयोजकों ने यह भी स्पष्ट किया कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि रक्तदान करने से नए रक्त का निर्माण होता है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कहा कि 'रक्तदान महादान' है, जो किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। एक यूनिट रक्त कई जिंदगियों को बचाने में सहायक हो सकता है। शिविर में चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम द्वारा सभी आवश्यक व्यव-स्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, ताकि रक्तदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अंत में एनएसयूआई परिवार निंबाहेड़ा ने सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे 9 अप्रैल को इस पुनीत कार्य में भाग लेकर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

पीएम श्री राजकीय बालिका उमावि बापू नगर में विधिक सहायता जागरूकता शिविर

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बापू नगर में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विधिक सहायता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में बतौर मुख्य वक्ता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से न्यायिक अधिकारी ग्रीष्मा शर्मा ने बालिकाओं को साइबर सेफ्टी के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने छात्राओं को

सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन फ्रॉड, फेक प्रोफाइल, साइबर बुलिंग, फोटो मॉर्फिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसे बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए।

जज ग्रीष्मा शर्मा ने कहा, 'मोबाइल और इंटरनेट आज जरूरत हैं, लेकिन बिना सावधानी के ये जोखिम भी बन सकते हैं। किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ह्र्क्क शेयर न करें और साइबर अपराध होने पर तुरंत हेल्पलाइन 1930 या 222.ष्४-ड्डद्गह्म्द्बद्वद्ग.द्दश्1.द्बठ्ठ पर शिकायत दर्ज कराएं।' उन्होंने पोक्सो एक्ट, बाल विवाह निषेध कानून और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की जानकारी भी साझा की। विद्यालय की प्रधानाचार्य सुनीता नानकानी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शिविर बालिकाओं को डिजिटल युग में सुरक्षित और सजग रहने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में कक्षा नवी से 12वीं की 200 से अधिक छात्राओं व शिक्षिकाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में न्याय विभाग से ओमप्रकाश गुर्जर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सुनीता जोशी ने किया । अंत में छात्राओं को विधिक साक्षरता . एवं साइबर सुरक्षा पंपलेट भी वितरित किए गए।

मूर्तिपूजक विजयगच्छ श्री संघ निंबाहेड़ा में बहु मंडल का गठन

स्मार्ट हलचल|निंबाहेड़ा

मूर्तिपूजक विजयगच्छ श्री संघ निंबाहेड़ा में बहु मंडल का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए समाज की सक्रिय एवं समर्पित महिलाओं को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

घोषित कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर प्रियंका नाहर, सचिव के रूप में प्रभा नाहर तथा कोषाध्यक्ष के रूप में सपना बोडाना को नियुक्त किया गया है। वहीं उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी श्वेता बोडाना को सौंपी गई है।

कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निधि बोडाना, पूजा नाहर, सोनम नाहर, सुनीता बोडाना एवं अंकिता बोडाना को मनोनीत किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य सदस्यों में सपना नाहर, ममता नाहर, प्रियंका बोडाना, कोनिश बोडाना, दिव्या बोडाना, किरण बोडाना, डिंपल बोडाना एवं दीपिका बोडाना शामिल हैं।

सभी पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से किया गया। इस अवसर पर समाजजनों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम समाजति में उत्कृष्ट कार्य करते हुए संघ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

जनगणना प्रपत्र में ओबीसी का कॉलम नहीं, ओबीसी समाज में भारी रोष

ओबीसी की जनगणना नहीं करवाई तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा - दिनेश माली

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट (रजि) उदयपुर द्वारा कलेक्ट्रेट के बाहर धरना प्रदर्शन कर जनगणना प्रपत्र में ओबीसी का कॉलम जोड़ने की तीव्र मांग की। खुब नारे बाजी कर अपनी मांग बुलंद की। प्रदर्शन में ओबीसी समाज के 40 जातियों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया।

संस्थापक दिनेश माली ने बताया कि भारत सरकार द्वारा करवाई जा रही जनगणना में 33 कॉलम में परिवार की जानकारी ली जाएगी। परन्तु इन 33 कॉलम ओबीसी समाज का अलग से कॉलम नहीं होने से ओबीसी समाज का वास्तविक जनसंख्या का पता नहीं लग सकेगा। जिससे ओबीसी समाज में भारी रोष व्याप्त है। जबकि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति का अलग से कॉलम हैं। जनसंख्या के अनुपात में सरकार सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और लाभ कारी योजना और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की योजना बनातीं हैं। और राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी मिलता है। संस्थापक दिनेश माली के नेतृत्व में सिटी मजिस्ट्रेट जितेंद्र ओझा को ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति , गृहमंत्री व जनगणना आयोग भारत सरकार को ज्ञापन सौपा। ओबीसी का कॉलम जोड़ने की मांग की । ओबीसी समाज ने चेतावनी दी है कि अगर अलग कॉलम बना कर

जनगणना नहीं करवाई जाती है। तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार आगामी पंचायत व नगर निगम के चुनाव में ओबीसी को प्रतिनिधित्व दिया जाएं,का ज्ञापन सौंपा । सुप्रीम कोर्ट ने पंचायत राज संस्थाओं एवं नगर निगम निकायों के चुनाव में ओबीसी को आरक्षण प्रदान करने के लिए ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया अनिवार्य की गई है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत राज्य सरकार को ओबीसी वर्ग की वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति का वैज्ञानिक एवं तथ्यात्मक अध्ययन करना आवश्यक है ।जिसके आधार पर आयोग द्वारा आरक्षण के संबंध में उचित अनुशंसा की जाएगी। राज्य सरकार द्वारा प्रगणक द्वारा घर घर जाकर 19 बिंदुओं की जानकारी प्राप्त कर आयोग को उपलब्ध करानी थी। परंतु संबंधित विभाग के अधिकारीयों और कर्मचारियों ने घर-घर न जाकर केवल औपचारिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर दीं हैं। त्रुटि पूर्ण जानकारी दी जा रही है ।जिससे आयोग को वास्तविक जानकारी न मिलने से ओबीसी को समुचित आरक्षण नहीं मिल पाएगा। ज्ञापन के माध्यम से अध्यक्ष अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग, मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव राजस्थान सरकार को ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया गया है।

आज के धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन में संस्थापक दिनेश माली, रमाकांत अजारिया, कांग्रेस प्रदेश ओबीसी उपाध्यक्ष सुखलाल साहू और प्रदेश महामंत्री तुलसीराम लोहार,सुर्य प्रकाश सुहालका, पी एस पटेल, बाल कृष्ण सुहालका, करोड़ी लाल पूर्बिया, भंवरलाल पूर्बिया, डी पी लक्षकार, रतन लाल गुर्जर, कमलेश गुर्जर,दिवाकर माली, शंकर लाल गुर्जर,पर्था डांगी, मोहनलाल पटेल, खेमराज पटेल, रामलाल पटेल सीएम टांक, अशोक मेवाड़ा, सोहनलाल सुहालका उपस्थित थे।

महिला संगठन से मणी बेन पटेल, गंगा देवी माली, पूजा टेलर, तारा पूर्बिया, कल्पना पूर्बिया, मांगी देवी डांगी, नर्बदा डांगी,सहित कई गणमान्य अध्यक्ष व पदाधिकारी उपस्थित थे।

बूंदी की स्कूलों में अब टीचर्स के साथ-साथ जजेज भी लेंगे क्लास

स्मार्ट हलचल| बूंदी

एम्पावरिंग राजस्थान यूथ ए लीगल लिटरेसी इनिशिएटिव-2026 योजना के तहत स्टूडेंट्स में विधिक जागरूकता लाने के अभियान का आगाज कर दिया गया है। इसके तहत राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने ट्रांसफोर्मेटिव ट्यूजडे अभियान शुरू किया है। जिसकी शुरुआत अप्रैल माह के पहले मंगलवार से हो चुकी है। अभियान के तहत बूंदी के 24 जज (सिविल जज से डीजे कैडर) चयनित 592 स्कूलों में स्टूडेंट्स को साइबर सुरक्षा का पाठ पढ़ाएंगे। इसमें साइबर बुलिंग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग आदि विषयों पर जागरूक किया जा रहा है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सरिता मीणा ने बताया- यह अभियान राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की पहल से शुरू किया गया है। अभियान का शुभारंभ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधिपति सूर्यकांत द्वारा 20 फरवरी को साइबर लॉ विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस के अवसर पर किया गया था। जबकि अभियान का प्रदेशव्यापी क्रियान्वयन आज से प्रारंभ किया गया है। अभियान के तहत क्लास 8 से 12वीं तक के स्टूडेंट्स का कॉमन सैशन आयोजन हुआ। इसमें जजेज द्वारा विद्यार्थियों को अलग-अलग विषयों पर जागरूक किया गया।

आज बूंदी जिले में पदस्थापित न्यायिक अधिकारीगण श्री पंकज नरूका, श्रीमती सुमन गुप्ता, डॉ. संजय कुमार गुप्ता, श्रीमती सरिता मीणा, डॉ विवेक शर्मा, श्रीमती मिनाक्षी मीना, श्री दुदा राम खोकर, श्रीमती भावना भार्गव, डॉ. मनोज तिवारी, श्री जाकिर हुसैन, श्रीमती अंबिका, श्रीमती सीमा संदू, श्री आदित्य वशिष्ठ, श्री सिद्धांत सक्सैना, श्रीमती यशस्वी शर्मा, श्रीमती वृष्टि विज, सुश्री अल्का मीना, श्रीमती साक्षी शर्मा, श्री हनुमान सहाय मीना, पैनल लॉयर, लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं पैरा लीगल वॉलियन्टर्स द्वारा अभियान के तहत एक दिन में 2054 स्टूडेंट्स को लाभान्वित किया गया।

आगामी एक साल तक अलग-अलग विषयों पर सैशन का आयोजन किया जायेगा एवं यह अभियान पूरे सालभर चलेगा। इसमें हर माह के प्रत्येक प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को एक विषय पर स्टूडेंट्स को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। इसकी शुरुआत साइबर सुरक्षा विषय से की जा रही है। इसके बाद अलग-अलग दिन दैनिक जीवन से जुड़े कानूनों, संवैधानिक अधिकारों, विधिक सहायता, बाल अधिकार, महिला अधिकार और जिम्मेदार नागरिकता जैसे विषयों पर व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी। यह पहल विद्यार्थियों को विधिक रूप से जागरूक बनाने के साथ-साथ उनमें उत्तरदायित्व एवं विधि के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सालभर में बूंदी की 592 से अधिक स्कूलों तक पहुंचा जाएगा।

कोर्ट वाली दीदी को बता सकेंगे परेशानी

अभियान के तहत जजेज 'कोर्ट वाली दीदी शिकायत पेटी' भी अपने साथ स्कूल में लेकर जाएंगे। यह पेटी पूरे दिन स्कूल परिसर में सी.सी.टी.वी. कैमरे की नजर से दूर रखी जाएगी एवं शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी जावेगी। इस पेटी में कोई भी स्टूडेन्ट अपनी परेशानी लिखकर डाल सकेगा। उस शिकायत पर विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम कार्रवाई करेगी।

सुनेल में जहरीला पानी पीने को मजबूर लोग, भड़का जनाक्रोश

स्मार्ट हलचल|सुनेल

एक ओर केंद्र और राज्य सरकारें हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही हैं, वहीं सुनेल कस्बे में हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। पीएचईडी विभाग की गंभीर लापरवाही के चलते कस्बेवासियों को गंदा, बदबूदार और दूषित पानी पीने को मजबूर होना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार कस्बे में वर्षों पुरानी पेयजल पाइपलाइन जर्जर हो चुकी है और कई जगहों से लीकेज हो रही है। हालात यह हैं कि कई स्थानों पर पाइपलाइन नालियों के बीच से गुजर रही है, जिससे गंदा और बदबूदार पानी सीधे पाइपों में मिलकर घरों तक पहुंच रहा है। इस दूषित पानी के सेवन से लोगों में चर्म रोग सहित अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार विभाग को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अनदेखी कर रहे हैं। इससे आमजन में भारी रोष व्याप्त है। मंगलवार को इस समस्या को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं का गुस्सा खुलकर सामने आ गया। प्रभुलाल नागर पूर्व मंडल अध्यक्ष, सुरेन्द्र फोफलिया पूर्व मंडल अध्यक्ष, रामबाबू महाजन मंडल उपाध्यक्ष, मुकेश लुहार पूर्व जनपद सदस्य, सुरेंद्र सोनी पूर्व सरपंच, नरेश गुप्ता सामरिया पूर्व पार्षद सहित कई कार्यकर्ता पीएचईडी कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही पाइपलाइन सुधार और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

डिस्कॉम बारां के सीनियर अकाउंटेंट को लॉकअप में रखने पर आक्रोश

अग्रवाल सम्मेलन ने आईजी को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| कोटा

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, जिला कोटा के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कोटा रेंज श्री राजेंद्र प्रसाद गोयल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में डिस्कॉम बारां के सीनियर अकाउंटेंट प्रदीप अग्रवाल को कथित रूप से बेवजह प्रताड़ित करने एवं अवैध रूप से लॉकअप में बंद करने के मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि पुलिस ने अपनी त्रुटि छिपाने के लिए एक सम्मानित सरकारी कर्मचारी को शांतिभंग की धाराओं में निरुद्ध कर सीधे लॉकअप में डाल दिया, जो कि विधि-प्रक्रिया का गंभीर उल्लंघन है।

प्रतिनिधिमंडल ने निम्न बिंदुओं पर आपत्ति जताई– शांतिभंग के मामलों में व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। परिजनों को समय पर सूचना नहीं दी गई, जिससे वे परेशान होकर उनकी तलाश करते रहे। इस घटना को अमानवीय बताते हुए कहा गया कि इससे एक निर्दोष अधिकारी को मानसिक एवं सामाजिक आघात पहुँचा है।

ज्ञापन देने वालों में विवेक राजवंशी (पूर्व नेता प्रतिपक्ष, नगर निगम कोटा), चन्द्र प्रकाश सिंघल (जिलाध्यक्ष), रमेश चन्द्र गोयल (जिला महामंत्री), हेमराज जिंदल (राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष), जगदीश जिंदल (प्रदेश महामंत्री, रेडक्रॉस सोसाइटी राजस्थान), सुमित जैन (युवा जिला अध्यक्ष), लोकेश गुप्ता (युवा जिला महामंत्री) एवं विवेक मित्तल (पूर्व पार्षद) ,पी.पी. गुप्ता, राजेन्द्र अग्रवाल, गोविन्द नारायण अग्रवाल, कैलाश जैन, पदम कुमार गुप्ता एवं चन्द्र प्रकाश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मामले में शीघ्र एवं निष्पक्ष कार्यवाही की मांग की।

पंचायती राज एवं निकाय चुनाव नहीं कराए जाने के खिलाफ बैठक

कांग्रेसियों ने राज्य की भाजपा सरकार को खूब कोसा

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर मंगलवार को हिंडौन विधायक निवास पर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर पंचायती राज एवं निकाय चुनाव नहीं कराए जाने के खिलाफ में एवं संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ अभियान के तहत कांग्रेसियों की बैठक आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता विधायक अनीता जाटव ने की। बैठक में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश मामू, देवी सहाय दत्तात्रेय, तारा गुर्जर, महेश बेनीवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। हिंडौन देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी ने बताया कि विधायक निवास पर मंगलवार को दोपहर 12:00 हिंडौन विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस दौरान कांग्रेसियों ने राजस्थान में पंचायती राज एवं निकाय चुनाव नहीं कराए जाने को लेकर राज्य की भाजपा सरकार को खूब कोसा। कांग्रेसियों ने कहा कि राज्य की पर्ची वाली भाजपा सरकार के कार्यों से आमजन त्रस्त हैं। लोगों के कार्य नहीं हो रहे हैं। बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हिंडौन विधानसभा में कांग्रेस परिवार में चल रही गुटबाजी के बारे में विधायक अनीता जाटव को अवगत कराया। विधायक अनीता जाटव ने कहा कि हिंडौन विधानसभा में कांग्रेस की जो दूसरी मीटिंग चल रही है उसमें उन्हें कमजोर किया जा रहा है ये लोग पार्टी को धरातल पर कमजोर करने में लगे हुए हैं। विधायक ने कांग्रेसियों से कहा कि जागरुक होकर संगठन को मजबूत करने के लिए ग्राउंड पर कार्य करना होगा। विधायक जाटव ने कहा कि विधानसभा में कुछ लोग बाहर से आकर गंदी राजनीतिक कर रहे हैं। कार्यक्रम में कांग्रेसियों ने विधायक अनीता जाटव को साफा माला पहनाकर व राधा कृष्ण का मूमेंटो भेंट कर सम्मान किया। साथ ही बैठक में पधारे वरिष्ठ कांग्रेसियों का साफा पहनाकर सम्मान किया। बैठक में विधायक अनीता जाटव, कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश मामू, वरिष्ठ कांग्रेसी देवी सहाय दत्तात्रेय, तारा बैसला, महेश बेनीवाल, कांग्रेस के ब्लॉक प्रवक्ता प्रमोद तिवाड़ी, दलवीर चौधरी धंधावली, पिंटू चौधरी, राजू चांदनगांव, मोहन सिंह गुर्जर, हेमू गुर्जर, बिट्टू चतुर्वेदी, हजारी, निर्भय सिंह गुर्जर, खिलन सिंह जाटव, मेघ सिंह, दिलीप महावर सूरौठ, राकेश शुक्ला, मुकुट चतुर्वेदी, फूल सिंह सैनी, भजनलाल जाटव धंधावली, श्याम बाबू, सचिन, पुष्पेंद्र ठेकेदार, दाउद अली, रमजान, चंद्राम डागुर, हजारी, भरत राम डागुर सोमली, मुरारी, गोपाल सैनी बाढ़, रूप सिंह सैनी, महेश सैनी, महेंद्र सैनी, रामकुमार जाटव, रामबाबू जाट, हरवीर बीएलए, धनंजय कुमार, ओमप्रकाश पीलवा, अरुण सिंह, शेर सिंह, महेंद्र देवलेन, विष्णु कुमार, मोहन सिंह, जेके सिंह, मुरारी, भूरमल खिजूरी, हरिमोहन खेड़ी, हरिलाल जाटव, गुलाब सिंह हिंडौन, भगवान सिंह सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। मंच संचालन दलवीर चौधरी ने किया।

मेड़ता रोड में मूसलाधार बारिश का कहर, जलभराव से जनजीवन ठप

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। कस्बे में मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश ने पूरे जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। दिनभर में दो अलग-अलग चरणों में हुई तेज बारिश और आंधी ने आमजन की दिनचर्या को बुरी तरह प्रभावित किया। सुबह करीब 9 बजे शुरू हुई बारिश का पहला दौर लगभग साढ़े 11 बजे तक लगातार जारी रहा, जिसमें करीब ढाई घंटे तक झमाझम वर्षा हुई। इसके बाद शाम करीब 4 बजे एक बार फिर तेज हवाओं के साथ बारिश का दूसरा दौर शुरू हुआ, जिसने हालात को और भी गंभीर बना दिया।बारिश और तेज हवाओं के चलते कस्बे की मुख्य सड़कों पर भारी जलभराव हो गया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। कई जगहों पर सड़कें तालाब में तब्दील हो गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। निचले इलाकों में स्थिति और भी विकट रही, जहां पानी घरों और गलियों में घुस गया, जिससे लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हुआ।विशेष रूप से बाईपुरा क्षेत्र में हालात बेहद खराब नजर आए। यहां जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि हर बार बारिश के दौरान यही समस्या सामने आती है, लेकिन नगर पालिका प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस समाधान नहीं किया गया है। लोगों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा।

इस बारिश ने एक बार फिर नगर पालिका की तैयारियों और व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। जल निकासी प्रणाली की कमजोरी और समय पर नालों की सफाई नहीं होने के कारण मामूली बारिश भी गंभीर समस्या बन जाती है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की परेशानियों से निजात मिल सके। बारिश के दौरान बस स्टैंड क्षेत्र में एक विशालकाय नीम का पेड़ और एक विद्युत पोल भी टूटकर गिर गया, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इससे लोगों में भय का माहौल जरूर बन गया। कुल मिलाकर, मेड़ता रोड में हुई इस मूसलाधार बारिश ने न सिर्फ जनजीवन को प्रभावित किया, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और कमजोर बुनियादी ढांचे को भी उजागर कर दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए कितनी गंभीरता दिखाता है।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर पंचायतों को थमाए नोटिस

उनियारा पंचायत समिति टीम का निरीक्षण: नालियां जाम-गांवों में गंदगी मिलने पर अधिकारियों की सख्ती

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। पंचायत समिति उनियारा क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था की पोल खुलने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत किए गए निरीक्षण में कई ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था बदहाल मिली, जिस पर 3 ग्राम पंचायतों के जिम्मेदार ग्राम विकास अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

कार्यालय पंचायत समिति उनियारा के खण्ड विकास अधिकारी शंकरलाल मेघवाल द्वारा जारी प्रेसनोट के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से 7 अप्रैल के बीच 7 दिन तक चलाए गए जांच अभियान में मन खण्ड विकास अधिकारी, सहायक अभियंता, सहायक विकास अधिकारी एवं प्रगति प्रसार अधिकारियों की संयुक्त टीम ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई ग्राम पंचायतों के गांवों में नियमित सफाई नहीं होने, नालियों के अवरुद्ध होने और जगह-जगह गंदगी पाए जाने के मामले सामने आए। स्थिति को गंभीर मानते हुए तीन ग्राम पंचायतों के ग्राम विकास अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे तुरंत सफाई व्यवस्था दुरुस्त करें, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। खण्ड विकास अधिकारी ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित मॉनिटरिंग जारी रहेगी।

राजस्थान कर्मचारी चयन समिति के सदस्या ने बिजोलिया का किया दौरा

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग की सदस्य, प्रसिद्ध इतिहासकार सज्जन पोसवाल आज उदयपुर जाते समय संस्कार भारती सीनियर सेकेंड्री स्कूल में आए, जहाँ स्कूल के निदेशक आदर्श सोनी ने उनका स्वागत किया। स्कूल में राजपरिवार से मृत्युंजय सिंह , हर्षेदा कवर, शक्ति नारायण शर्मा, पायल लूनीवाल, कन्हैयालाल शर्मा आदि ने उन्हें बिजोलिया किसान आंदोलन तथा बिजोलिया के इतिहास की जानकारी दी। सज्जन पोसवाल ने उमाजी का खेड़ा में माणिक्य लाल वर्मा तथा बिजोलिया में पथिक पार्क में पथिक की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया। जहां उमाजी का खेड़ा में भूरालाल धाकड़ के परिवार तथा स्कूल स्टाफ न तथा बिजोलिया में गोपाल लाल शर्मा के परिजनों ने भी उनका स्वागत किया। सज्जन पोसवाल ने देव डूंगरी स्थित देव नारायण भगवान के दर्शन भी किए, जहाँ पर मुकेश गुर्जर, महेंद्र गुर्जर आदि ने उनका स्वागत किया। पोसवाल बिजोलिया के प्राचीन राजमहल का भी भ्रमण किया, जहाँ राज परिवार के सोभाग्य सिंह ने उनका स्वागत सत्कार कर बिजोलिया के इतिहास की जानकारी दी।

संगठन बढ़ाओ लोकतंत्र बचाओ,रन फॉर अम्बेडकर रन फॉर कंस्टीट्यूशन/ संविधान को लेकर एससी विभाग कोटा देहात की बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

कोटा। देहात जिला कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग कोटा में जिला अध्यक्ष श्री परशुराम बेरवा के द्वारा कांग्रेस कार्यालय गुमानपुरा कोटा में बैठक आयोजित की गई बैठक का उद्देश्य रन फॉर अंबेडकर रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन की दिल्ली में होने वाली दिनांक 12 अप्रैल 2026 को न्याय योद्धा श्री राहुल गांधी जी के द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ को सफल बनाने के लिए वक्ताओं ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया जिला अध्यक्ष परसराम बेरवा द्वारा नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का दुपट्टा बनाकर स्वागत किया गया, बैठक में कोटा देहात से सेंकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता बस व ट्रेन के माध्यम से रैली में शामिल होने दिल्ली पहुंचेगा,राज्य सरकार द्वारा समय पर पंचायतीराज व नगर निकायों के चुनाव नहीं कराने को लेकर निंदा की गई।

बैठक में बड़ी संख्या में कोटा देहात के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे मुख्य अतिथि कोटा के प्रभारी डग विधानसभा के पूर्व विधायक मदन लाल जी वर्मा रहे अध्यक्षता देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह जी रहे कोटा संभाग के कोऑर्डिनेटर सत्यनारायण की भूमि लिया कोटा शहर और देहात के प्रभारी धर्मराज जी मेहरा एससी प्रकोष्ठ प्रदेश महामंत्री दिनेश जी खटीक टीकम जी वर्मा पूर्व पार्षद घीसी बाई पूर्व पार्षद हुकुमचंद जी बेरवा एसएससी ब्लॉक अध्यक्ष संजय रावल ब्लॉक अध्यक्ष विनोद जी मेघवाल ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र जी मेघवाल जिला उपाध्यक्ष कपिल लोदवाल जिला उपाध्यक्ष रामस्वरूप जी डगौरिया नोनेरा सरपंच बछराज बेरवा कोटा दक्षिण के ब्लॉक अध्यक्ष राजेश जी वर्मा गुलाब चंद बेरवा प्रेमचंद बेरवा अशोक अखंड मदन लाल बेरवा अरविंद वर्मा ऐवन बेरवा बंटी धवन रमेश चंद जी जनसेवक चित्र लाल जी वार्ड पंच रामलाल बैरवा हरिओम मेघवाल सैकड़ो की तादाद में कार्यकर्ता और संगठन के जिम्मेदार परिधि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान जागृति सप्ताह का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल| बूंदी

महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र के अंतर्गत पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान जागृति सप्ताह का आयोजन दिनांक 06 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। इस अवसर पर विभाग के सहायक निदेशक भैरू प्रकाश नागर द्वारा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विभाग की सुपरवाइजर प्रमिला द्वारा लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत बालिकाओं को दी जाने वाली सहायता, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। इस जागृति सप्ताह के अंतर्गत केंद्र के सलाहकारों द्वारा प्रतिदिन जिले के विभिन्न राजकीय बालिका विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, विकास नगर, बूंदी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जेंडर स्पेशलिस्ट विनिता अग्रवाल ने बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बाल विवाह के दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की तथा बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र प्रबंधक पूर्णिमा गौतम ने किशोरी स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर बालिकाओं को जानकारी देते हुए माहवारी स्वच्छता एवं एनीमिया से बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने जीवन कौशल के महत्व को समझाते हुए बालिकाओं को आवश्यकता पड़ने पर पन्ना धाय केंद्र से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। सामाजिक परामर्शदाता अक्षिता मिश्रण एवं सलोनी शर्मा द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की गई। साथ ही छात्राओं के साथ विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन करते हुए उनकी काउंसलिंग एवं आउटरीच कार्य भी किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य रविन्द्र दाधीच, विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य '- विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सीएमएचओ डॉ. सामर ने दिया निरोग जीवन का मंत्र

स्वस्थ दिनचर्या अपनाने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल| बूंदी

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सीएमएचओ डॉ. ओ. पी. सामर ने जिलेवासियों को निरोगी जीवन की शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ रहने के महत्वपूर्ण गुरु मंत्र साझा किए। इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य के साथ के अनुरूप उन्होंने जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाने पर विशेष जोर दिया।

डॉ. सामर ने कहा कि वर्तमान समय में गैर संचारी रोग तेजी से बढ़ रहे हैं और आधुनिक जीवनशैली के चलते स्वस्थ रहना एक बड़ी चुनौती बन गया है। बदलते रहन-सहन, असंतुलित खान-पान और बढ़ते तनाव के बावजूद यदि व्यक्ति अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखे तो वह पूरी तरह स्वस्थ रह सकता है।

उन्होंने सभी को नियमित व्यायाम करने, संतुलित एवं पोष्टिक आहार लेने तथा सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने मोबाइल फोन के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सीएमएचओ डॉ. सामर ने लोगों को अपनी दिनचर्या में कोई न कोई रचनात्मक हॉबी शामिल करने की भी सलाह दी, जिससे मानसिक संतुलन बना रहता है और जीवन में सकारात्मकता बढ़ती है।

इस अवसर पर एडिशनल सीएमएचओ डॉ. कमलेश शर्मा ने जिले में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए आमजन से इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

डॉ. सामर ने अंत में कहा कि 'स्वस्थ शरीर ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

महाभारत कालीन मां भद्रकाली मंदिर काटोली में संत समागम, धर्म जागरण, शिक्षा और सामाजिक मुद्दों पर मंथन

श्रीराम महाराज अघोरी बोले: लव जिहाद नहीं पनपने देंगे चाहे चली जाए जान-नशा मुक्ति पर भी जोर

स्मार्ट हलचल

टोंक/निवाई। जिले के निवाई उपखंड क्षेत्र के कांटोली ग्राम स्थित महाभारत काल प्राचीन मां भद्रकाली मंदिर में रविवार को जिला स्तरीय संत समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जनकल्याण संस्थान जयपुर एवं जिला धर्म जागरण समन्वय टोंक के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें जिलेभर से संत-महात्माओं व श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां भद्रकाली की आरती एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंदिर के पीठाधीश्वर श्रीराम महाराज अघोरी ने पधारे संतों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।जिला धर्म जागरण समन्वय टोंक के संयोजक रामकिशन गुर्जर एवं सह-संयोजक हनुमान प्रसाद शर्मा ने आयोजन की रूपरेखा एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

धर्म जागरण और सामाजिक चेतना पर जोर

जयपुर से पधारे धर्म जागरण प्रांत प्रमुख अमर सिंह ने अपने उद्बोधन में हिंदू धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन, मतांतरण रोकने तथा सामाजिक जागरूकता जैसे मुद्दों पर विचार रखे। उन्होंने संत समाज से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को धर्म के प्रति जागरूक करें। इस दौरान संतों ने संवेदनशील बस्तियों को गोद लेकर वहां प्रवास करने और जनजागरण का संकल्प भी लिया।

श्रीराम महाराज अघोरी का संबोधन

मां भद्रकाली मंदिर कांटोली के पीठाधीश्वर श्रीराम महाराज अघोरी ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि 'धर्म और संस्कृति की रक्षा के साथ-साथ शिक्षा को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।' उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज को जागरूक रहना होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'लव जिहाद जैसी गम्भीर प्रवृत्तियों को पनपने नहीं देंगे,चाहे इसके लिए जान ही क्यों न देनी पड़े।' इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए नशा मुक्ति अभियान को समाज के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

संतों ने रखे अपने विचार

समागम में संत श्री मनीषदास महाराज (पलेई आश्रम), ज्ञानानंद महाराज, नवल गिरी महाराज, गोपाल दास महाराज, कबीरपंथी उचित साहिब, प्रेमदास महाराज, साध्वी नाथीबाई, स्वामी विवेकानंद गिरी महाराज सहित अनेक संतों ने धर्म जागरण, सामाजिक एकता और कुरीतियों के विरोध पर अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मान और समापन

कार्यक्रम के अंत में श्रीराम महाराज अघोरी ने सभी संतों को शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल एवं दक्षिणा भेंट कर सम्मानित किया तथा आभार व्यक्त किया। संतों सहित कार्यकर्ताओं व श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी भी ग्रहण की। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपर्-स्थत रहे।

सोप पीएचसी पर डॉक्टर का पद खाली

मरीज बेहाल-हफ्ते में सिर्फ तीन दिन मिल रही चिकित्सा

स्मार्ट हलचल

टोंक/अलीगढ़। उनियारा उपखण्ड क्षेत्र के सोप उप तहसील मुख्यालय के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी) में चिकित्सक का पद रिक्त होने से क्षेत्र के मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित डॉक्टर की अनुपस्थिति के चलते मरीजों को समय पर ईलाज नहीं मिल पा रहा, जिससे विशेषकर आपातकालीन व गंभीर रोगियों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, सोप पीएचसी में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष मीणा का पीजी में चयन होने के बाद हाल ही में करीब एक सप्ताह पूर्व 30 मार्च 2026 को उन्हें गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, कोटा के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया। इसके बाद से यहां स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति नहीं की गई है।वैकल्पिक व्यवस्था के तहत चिकित्सा विभाग की ओर से समीपवर्ती देवली पीएचसी की चिकित्सक डॉ. कनुप्रिया मीणा को सप्ताह में केवल तीन दिन गुरूवार, शुक्रवार और शनिवार के लिए सोप पीएचसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।हालांकि यह व्यवस्था पर्याप्त नहीं साबित हो रही है, क्योंकि बाकी दिनों में मरीजों को बिना डॉक्टर के ही लौटना पड़ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि नियमित डॉक्टर नहीं होने से प्राथमिक उपचार तक प्रभावित हो रहा है। खासकर रात के समय या आकस्मिक स्थिति में मरीजों को दूरस्थ अस्पतालों की ओर भागना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों की भारी बर्बादी होती है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी उदासीनता का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

क्षेत्रवासियों ने सरकार व चिकित्सा विभाग से सोप पीएचसी पर शीघ्र नियमित चिकित्सक की नियुक्ति करने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को समय पर और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

घाड़ कस्बे में बीसलपुर योजना फेल: दो साल से नलों में पानी नहीं, मीणा मोहल्ले के लोग परेशान

स्मार्ट हलचल| दूनी

तहसील के घाड़ कस्बे में बीसलपुर पेयजल योजना के तहत घरों में नल कनेक्शन लगाए गए थे, लेकिन पिछले दो साल से इनमें पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। इससे मीणा मोहल्ले के निवासी प्रभावित हैं। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि इन नल कनेक्शनों को टंकी वाली मुख्य लाइन से जोड़ना ही भूल गए, जिसके कारण ये कनेक्शन केवल दिखावा बनकर रह गए हैं। यह समस्या बस स्टैंड के पास स्थित मीणा मोहल्ले में गंभीर बनी हुई है।राशी वसूली, लेकिन आपूर्ति शुरू नहीं। बीसलपुर योजना के तहत मोहल्लेवासियों से तीन साल पहले 2500 रुपए की राशि भी वसूली गई थी। इसके बावजूद, घरों में लगे नल कनेक्शनों से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई है।

इस संबंध में मोहल्लेवासियों ने कई बार हेल्पलाइन नंबर पर और संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दर्ज कराई हैं। हालांकि, अब तक इस समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका है।

पिछले दिनों घाड़ पंचायत के समस्या समाधान शिविर में बीसलपुर परियोजना के जैन पुरणमल को भी इस समस्या से अवगत कराया गया था। उस समय पुरणमल ने एक महीने के भीतर पेयजल आपूर्ति शुरू करवाने का आश्वासन दिया था।

हालांकि, इस आश्वासन के तीन महीने बीत जाने के बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। अपनी दैनिक जरूरतों के लिए मोहल्ले के लोग रोजाना एक किलोमीटर दूर स्थित बीसलपुर पंप हाउस से पानी लाने को मजबूर हैं। बीसलपुर परियोजना के सुपरवाइजर रामलाल गुर्जर ने आज बताया कि दो दिन में लाइन को जोड़ दिया जाएगा और पानी की आपूर्ति सुचारू कर दी जाएगी।

बालिकाओं ने भरी हुंकार, 'बाल विवाह मुक्त भारत' का दिया संदेश

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। महिला अधिकारिता विभाग के पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान केंद्र द्वारा आयोजित 'पन्नाधाय सुरक्षा व जागृति सप्ताह' के तहत सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शाहपुरा मोहल्ला में एक भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस आयोजन का मुख्य केंद्र 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान रहा, जिसमें बालिकाओं ने कला और संवाद के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया।

नाट्य रूपांतरण ने झकझोरा समाज को

कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया नाट्य रूपांतरण रहा। इस नाटक के माध्यम से बालिकाओं ने यह दर्शाया कि किस तरह बाल विवाह न केवल एक मासूम का बचपन छीन लेता है, बल्कि उसके शारीरिक और मानसिक विकास पर भी गहरा आघात करता है। नाटक के भावुक और प्रेरणादायक दृश्यों ने वहां मौजूद जनसमुदाय और छात्राओं को सोचने पर मजबूर कर दिया।

कुरीतियों के विरुद्ध सामूहिक संकल्प

कार्यक्रम में सामाजिक परामर्शदाता कविता ने भी एक सशक्त नाट्य प्रस्तुति दी, जिसने समाज में व्याप्त पुरानी बेड़ियों को तोड़ने का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी बालिकाओं और नागरिकों को बाल विवाह के विरुद्ध शपथ दिलाई गई कि वे न तो स्वयं इस कुरीति का हिस्सा बनेंगे और न ही अपने आस-पास ऐसा होने देंगे।

विशेषज्ञों के विचार

बरखा दगदी (केंद्र प्रबंधक): उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि 'बाल विवाह जैसी बुराई को केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और जागरूकता से ही समाप्त किया जा सकता है।' सुनीता चौधरी (प्राचार्य): कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने एक ओजस्वी कविता पढ़ी, जिसने छात्राओं में जोश भर दिया। इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा उर्मिला कवरिया और दीपिका द्वारा तैयार की गई। विद्यालय प्रशासन और महिला अधिकारिता विभाग के साझा प्रयासों से यह कार्यक्रम क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बुटेरी में राशन वितरण को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन, गांव में ही बांटने की मांग

स्मार्ट हलचल | बानसूर

क्षेत्र के ग्राम बुटेरी में पिछले छह माह से राशन वितरण नहीं होने से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों ने गांव में ही राशन वितरण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और जिला कलेक्टर को पत्र लिखा। ग्रामीण कैप्टन बिल्लूराम शेखावत ने बताया कि राशन नहीं मिलने के कारण लोगों को दूर-दराज से राशन लाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। उन्होंने मांग की कि उनके हिस्से का राशन ग्राम पंचायत मुख्यालय बुटेरी में ही वितरित किया जाए। ग्रामीण मोहर सिंह मेघवाल ने कहा कि गांव का राशन गांव में ही बांटा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग द्वारा बुटेरी का प्रभार दिए गए राशन डीलर को गांव की आवश्यकतानुसार पूरा राशन आवंटित किया जाना चाहिए।

जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा ने बताया कि बुटेरी में राशन वितरण संबंधी शिकायत दो-तीन माह पहले मिली थी। जांच में पता चला कि पूर्व डीलर विक्रम ने 500 क्विंटल राशन का गबन किया था। विस्तृत जांच और पिछले पांच साल के रिकॉर्ड के मिलान के बाद उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया, उसे सेवा से बर्खास्त किया गया और 10 लाख रुपए की वसूली का नोटिस जारी किया गया। इस मामले में संबंधित थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई हैं। शर्मा ने आगे बताया कि राशन वितरण की अस्थायी व्यवस्था के तहत बुटेरी गांव को राजेंद्र सिंह महनपुर से जोड़ा गया है। सभी राशन कार्ड उनकी पीओएस मशीन में मैप कर दिए गए हैं। चूंकि यह प्रक्रिया फरवरी में पूरी हुई थी और विभाग के नियमानुसार राशन का आवंटन दो महीने पहले होता है, इसलिए अप्रैल से डीलर राजेंद्र सिंह को बुटेरी का राशन आवंटित होना शुरू हो जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि उपभोक्ताओं की राहत के लिए बुटेरी क्षेत्र के राशन डीलर ऋषिपाल शर्मा, राजेंद्र सिंह और रतिराम का माल बढ़ाकर उपभोक्ताओं को राशन वितरित किया गया है। फिर भी यदि कोई उपभोक्ता इससे वंचित है तो हम उनका राशन दिलवाएंगे।

ब्यावर में सियासी उबाल: 'जेसीबी की भीड़' वाले बयान पर ऋषि लांबा का तीखा प्रहार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान की राजनीति में जुबानी जंग एक बार फिर चरम पर है। ब्यावर में आयोजित कांग्रेस के 'संगठन बढ़ाओ - लोकतंत्र बचाओ' सम्मेलन में उमड़े जनसैलाब पर कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत की टिप्पणी ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। मंत्री द्वारा कांग्रेस की भीड़ की तुलना 'जेसीबी की खुदाई देखने वाली भीड़' से करने पर कांग्रेस नेताओं ने मोर्चा खोल दिया है।

ऋषि लांबा का कड़ा जवाब: 'यह घमंड की भाषा है '

प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के कोऑर्डिनेटर और सेवादल जिला प्रवक्ता ऋषि लांबा ने मंत्री के बयान की कड़े शब्दों में निंदा की है। लांबा ने कहा :

मंत्री का यह बयान केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं का नहीं, बल्कि ब्यावर की उस जनता का अपमान है जो अपनी समस्याओं को लेकर सड़कों पर उतरी है। 'मच्छर की तरह मसलने' और 'जेसीबी की भीड़' जैसे शब्दों का प्रयोग मंत्री की संकीर्ण मानसिकता और सत्ता के अहंकार को दर्शाता है।'

विवाद की जड़ : डोटासरा की रैली और मंत्री का कटाक्ष

हाल ही में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की मौजूदगी में ब्यावर में एक विशाल सम्मेलन हुआ था। इसमें डोटासरा ने बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा था। इस भीड़ पर तंज कसते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा था कि 'डोटासरा की रैली में जितनी भीड़ थी, उतनी तो जेसीबी की खुदाई देखने के लिए भी जमा हो जाती है।'

लांबा ने आगे कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने और महंगाई कम करने में पूरी तरह विफल रही है। जब जनता अपनी आवाज उठाने के लिए कांग्रेस के साथ खड़ी हो रही है, तो मंत्री अपनी खीझ निकालने के लिए जनता का मजाक उड़ा रहे हैं।

पारस पंच ने बताया 'जनलहर' का संकेत

पूर्व पीसीसी सचिव और विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच ने भी मंत्री के बयान को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की भारी भीड़ भाजपा की तानाशाही के अंत की शुरुआत है। सरकार इस जनलहर से इतनी घबरा गई है कि अब वह अमर्यादित भाषा पर उतर आई है।

मुख्य बिंदु:

विवादित बयान: मंत्री अविनाश गहलोत ने कांग्रेस की भीड़ को 'जेसीबी की खुदाई वाली भीड़' बताया। कांग्रेस का स्टैंड: इसे जनता और लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान करार दिया। प्रमुख मांग: कांग्रेस ने मंत्री से अपने शब्दों पर माफी की मांग की है और इसे जनता की भावनाओं से खिलवाड़ बताया है।

सावर में पेंशनर समाज का सम्मान समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच बुजुर्गों का अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा सावर के तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सावर के सभागार में 75 वर्ष से अधिक आयु के सीनियर सिटीजन पेंशनर बुजुर्गों एवं भामाशाहों का भव्य एवं ऐतिहासिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पेंशनर्स, गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों की उपस्थिति रही।

समारोह का शुभारंभ मां शारदा के दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई तथा विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समारोह को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान पेंशनर समाज जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष शंकर सिंह मनोहर रहे, जबकि अध्यक्षता पेंशनर जिला शाखा केकड़ी के जिला अध्यक्ष कैलाश चंद्र जैन ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में आरसी गुप्ता, जगदीश प्रसाद कारपेंटर (अध्यक्ष कादेड़ा), रूपचंद पांडे (अध्यक्ष सरवाड़), मोहन सिंह राव, कैलाश चंद्र रत (उपकोषाधिकारी), लायंस क्लब के प्रतिनिधि, सागर जागृति मंच भीलवाड़ा के अध्यक्ष कैलाश चंद्र तिवारी, भामाशाह अविनाश कोठारी एवं प्रधानाचार्य अनिल कुमार झंकार सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम में लायंस क्लब द्वारा भी वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। समारोह के दौरान 75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनरों का माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उप शाखा सावर द्वारा 15 वरिष्ठ पेंशनर्स का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। साथ ही भामाशाह अविनाश कोठारी सहित अन्य समाजसेवियों का भी सम्मान किया गया। स्वागत उद्बोधन सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य गिरजा नायक ने दिया, जबकि पेंशनर समाज के कोषाध्यक्ष कालूराम रेगर ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह को शिक्षाविद रमेश चंद्र त्रिवेदी, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा सावर के अध्यक्ष महेंद्र कुमार राव एवं कोषाध्यक्ष कालूराम रेगर की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिनका समारोह में अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन सेवानिवृत्त शिक्षाविद राजेंद्र प्रताप सिंह शक्तावत एवं रामेश्वर प्रसाद सुवालकर ने किया। समारोह का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

ब्यावर में न्यायिक अधिकारियों ने संभाली कमान: विद्यार्थियों को सिखाए साइबर सुरक्षा के गुर

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार मंगलवार को ब्यावर जिले में 'ट्रांसफॉर्मिंग ट्यूसडे') कार्यक्रम के तहत एक वृहद विधिक साक्षरता अभियान चलाया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ब्यावर के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य संदेश 'ऑनलाइन सुरक्षित रहो-इंटरनेट सब कुछ याद रखता है' रहा।

11 न्यायिक अधिकारियों ने दी कानूनी जानकारी

प्राधिकरण के सचिव और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री कमल कुमार ने बताया कि ब्यावर मुख्यालय पर पदस्थापित 11 न्यायिक अधिकारियों (डॉ. वीनू नागपाल, गिरीजा भारद्वाज, विजयप्रकाश सोनी, प्रवीण चौहान, पंकज सांखला, ब्रह्मानंद शर्मा, प्रवीण शंकर, मौनिका चौधरी, सुषमा जाखड़, सतीश फनीन एवं हर्षित शर्मा) ने विभिन्न विद्यालयों का दौरा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड और सोशल मीडिया के खतरों के प्रति सचेत किया।

कोर्ट वाली दीदी' से मिलेगी मदद

इस अभियान की सबसे खास कड़ी 'कोर्ट वाली दीदी' नाम की शिकायत एवं सुझाव पेटिका है। सचिव श्री कमल कुमार ने बताया कि यह पेटिका हर विद्यालय में स्थापित की जा रही है। इसका उद्देश्य यह है कि यदि कोई विद्यार्थी किसी भी प्रकार के शोषण या समस्या का सामना कर रहा है, तो वह बिना डरे अपनी बात लिख सके। इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी और शिकायत करने वाले छात्र की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इन कानूनों पर रहा विशेष जोर :

शिविरों के दौरान केवल साइबर सुरक्षा ही नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकारों से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कानूनों पर भी विस्तृत चर्चा की गई: पोक्सो एक्ट: यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण। जुवेनाइल जस्टिस एक्ट: किशोरों के विधिक अधिकार। बाल संरक्षण : बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना।

पूरे राज्य में गूँज रहा अभियान

उल्लेखनीय है कि यह अभियान केवल ब्यावर तक सीमित नहीं है। पूरे राजस्थान में लगभग 1400 न्यायिक अधिकारी एक साथ विद्यालयों में जाकर नई पीढ़ी को कानून के प्रति संवेदनशील बना रहे हैं। ब्यावर में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ताकि हर विद्यार्थी को कानून की बुनियादी जानकारी मिल सके और वे एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण में पढ़ाई कर सकें।

प्रेमी संग फरार होने का आरोप, 15 लाख व जेवरात ले जाने की शिकायत

स्मार्ट हलचल|खखरेरू / फतेहपुर

थाना क्षेत्र के एक गांव में विवाहित महिला के प्रेमी के साथ घर से नगदी और जेवरात लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। महिला के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार उसकी बड़ी बहन के पति पिछले ढाई वर्ष से सऊदी अरब में रहकर नौकरी कर रहे हैं। आरोप है कि गांव निवासी अजमल पुत्र तशौव्वर उर्फ बब्बन ने महिला को प्रेम जाल में फंसा लिया और एक अप्रैल को अपने भाइयों की मदद से उसे साथ लेकर फरार हो गया।

शिकायत में बताया गया कि महिला घर में रखा करीब 15 लाख रुपये नगद, सात तोला सोना और आधा किलो चांदी भी साथ ले गई है। महिला के तीन छोटे बच्चे–जैर अहमद (8), जैन अहमद (6) और सेबी बनो (4)–मां के अचानक चले जाने से बेसहारा हो गए हैं और उनका रो-रोकर बुरा हाल है।पीड़ित ने आरोप लगाया कि जब वह शिकायत लेकर आरोपियों के घर पहुंचे तो वहां मौजूद लोगों ने अभद्र व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार...

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दशार्ती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्त्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।

दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निमार्ताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

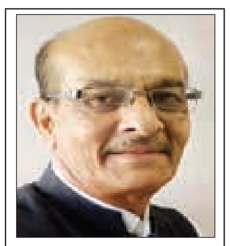

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाइ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरुइ की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दशार्ते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

गर्मियों में इस तरह बनाएं मखाना रायता, स्वाद और सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

मखाना खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसे अंग्रेजी में फॉक्स नट के नाम से जाना जाता है. मखाना कमल के बीजों से बनता है और यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसे स्थानीय भाषा में मखाना कहते हैं. कई लोग इसके नाम से भी परिचित नहीं होंगे, लेकिन यह कई गुणों से भरपूर होता है. यह कई देशों में भी लोकप्रिय है. मखाना वजन कम करने में खा, भूमिका निभाता है, इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में भी खास भूमिका निभाता है. विशेषज्ञों का कहना है कि इसमें मौजूद प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, कार्बोहाइड्रेट और मिनरल्स शरीर के लिए बहुत लाभकारी होते हैं. 2017 में जर्नल ऑफ फूड साइंस में प्रकाशित % मखाना (यूरीएल फेरोक्स सेलिसब) का पोषण और फाइटोकेमिकल विश्लेषण शीर्षक वाले एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई थी.

वैसे तो मखाने को आप अपने डाइट में कई तरह से शामिल कर सकते हैं, लेकिन गर्मियों में इसका रायता बनाकर खाना न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है. गर्मियां शुरू होते ही हर कोई दही को किसी न किसी रूप में अपनी रोजाना आहार में शामिल कर लेता है. बता दें, गर्म मौसम में दही शरीर को हेल्दी रखने में बहुत मददगार होता है, वहीं मखाने के फायदों को कौन नहीं जानता है, ऐसे में अगर मखाना और दही का कॉम्बिनेशन एक ही रेसिपी में मिल जाए तो क्या ही कहना.

मखाना का रायता बनाने के लिए सामग्री

1 कप दही

2 कप मखाना

1 छोटा चम्मच रायता मसाला

स्वादानुसार लाल मिर्च पाउडर

1 छोटा चम्मच चाट मसाला

1 छोटा चम्मच गरम मसाला

1 चम्मच देसी घी

बारीक कटा हुआ धनिया 1 चम्मच

स्वादानुसार नमक

बनाने की विधी

मखाना का रायता बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन लें और मध्यम आंच पर गर्म करें. फिर इसमें एक चम्मच देसी घी डालकर थोड़ा गर्म होने पर इसमें मखाने डालकर भूनें. जब मखानों का रंग हल्का सुनहरा हो जाए तो गैस बंद कर दें और मखानों को एक प्लेट में निकाल कर अलग रख लें. जब मखाने ठंडे हो जाएं तो इन्हें मिक्सर में डालकर दरदरा कर पीस लें. अब एक बर्तन लें और इसमें दही डालकर अच्छे से फेंट लें. आप चाहें तो दही को मिक्सर ग्राइंडर में डालकर भी फेंट सकते हैं. जब दही अच्छे से मिक्स हो जाए तो इसमें चाट मसाला, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, रायता मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छें से मिला लें. अब इसमें में दरदरा पिसा हुआ मखाना डालकर मिला लें. यदि रायता बनने के बाद गाढ़ा लग रहा हो तो इसमें अपनी जरूरत के हिसाब से पानी मिला लें. आपका स्वादिष्ट मखाना रायता बनकर तैयार है. अब इसे हरा धनिया डालकर गार्निश करें और सर्व करें.

गर्मियों में बढ़ जाती है पेट खराब होने की समस्या, डाइट में शामिल करें ये चीजें, मिलेगी राहत

गलत जीवनशैली और खानपान के कारण लोग कई स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार हो रहे हैं. इनमें पेट से संबंधित समस्याएं भी शामिल हैं. पेट से संबंधित समस्याओं के दौरान आपको कब्ज, बवासीर और दस्त का सामना करना पड़ सकता है. इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ हेल्दी चीजों को शामिल कर सकते हैं, जो पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत दिलाने में आपकी मदद करेंगी. डॉ. चैताली राठौड़ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत पाने के लिए डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करने की सलाह दी है.

पेट से संबंधित समस्याओं से राहत पाने के लिए आहार

गरम पानी- दिनभर गर्म पानी पीने से पेट की समस्याओं और कब्ज से राहत मिलती है.

धनिये के बीज- धनिया की तासीर प्राकृतिक रूप से ठंडी होती है धनिया के बीज पेट और एसिडिटी की समस्याओं को रोकते हैं.

अदरक- अपने आहार में अदरक को शामिल करें। इससे पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है.

गाय का घी- अपने भोजन में 1 बड़ा चम्मच गाय का घी मिलाएं। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है.

पुदीने की चाय- वात और पित्त दोषों को संतुलित करने के लिए दिन में एक या दो बार पुदीने की चाय पिएं। पुदीने की पत्तियों को 1 कप पानी में उबालें। आप पुदीने की पत्तियों को चबाकर या छानकर भी भोजन से पहले पी सकते हैं.

मूंग की दाल- हरी मूंग दाल प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है. इसे अपने आहार में शामिल करके आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं.

अंजीर- भीगे हुए अंजीर कब्ज और हाइपरएसिडिटी से राहत दिला सकते हैं.

काला नमक- काला नमक गैस, सूजन और भूख जैसी समस्याओं में सुधार करता है.

अनार- अनार में कई पोषक तत्व और स्वास्थ्य लाभ होते हैं। मीठा अनार पाचन में सहायता करता है, आयरन बढ़ाता है, और हार्मोनल स्वास्थ्य में मदद करता है.

गुलकंद- गुलकंद आईबीएस, कब्ज, हाइपरएसिडिटी और बांझपन में मदद करता है। इसके साथ ही गुलकंद पित्त और वात दोषों को संतुलित करता है. सर्वोत्तम परिणामों के लिए इसे दिन में दो बार 1-2 चम्मच लें.

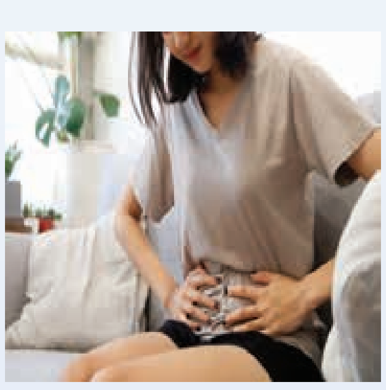

चेहरे पर पार्लर जैसा निखार लाने के लिए काफी है सिर्फ एक टमाटर, ऐसे करें इस्तेमाल

आप शायद पहले से ही जानते होंगे कि टमाटर कई कारणों से एक सुपरफूड है. यह न केवल आपके पेट के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है, बल्कि आपकी त्वचा के लिए भी चमत्कारी है. टमाटर उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो बिना अधिक पैसे खर्च किए बहुत आसानी से सुंदर और आकर्षक दिखना चाहते हैं. टमाटर में चेहरे की चमक बढ़ाने और त्वचा की कई समस्याओं को ठीक करने की क्षमता होती है. इसमें विटामिन ए, सी और के भरपूर मात्रा में होते हैं. ये विटामिन त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं.

आपको बता दें, टमाटर में ऐसी खटास होती है जो आपकी त्वचा के रोमछिद्रों को खोलने में मददगार होती है और मुंहासों के इलाज में मदद करती है. टमाटर का इस्तेमाल हेल्दी स्किन सेल्स को प्रदूषित करने वाले फ्री रेडिकल्स को हटाने के लिए भी किया जा सकता है. बहुत से लोग अपनी बिजी लाइफस्टाइल के कारण त्वचा की देखभाल पर ध्यान नहीं देते हैं. ऐसे लोगों के लिए घर पर टमाटर का फेस पैक बनाना बहुत आसान है. चेहरे पर काले धब्बे, पिगमेंटेशन, झुर्रियां और एक्स्ट्रा ऑयल को हटाने के लिए यह एक बेहतर उपाय है. टमाटर स्किन को जवां बनाए रखने में भी कारगर है. इस बारे में स्किन एक्सपर्ट ने कुछ खास टिप्स बताए हैं.

इसके लिए सबसे पहले एक ताजे टमाटर को आधा काट लें और फिर इसे अपनी त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें. 15 से 20 मिनट बाद इसे धो लें. ऐसा करने से स्किन पिगमेंटेशन दूर करने में मदद मिलेगी.

दूसरा तरीका यह है कि एक टमाटर लें और उसे अच्छी तरह से मैश करें और उसमें एक बड़ा चम्मच दही मिलाएं. इसे अच्छी तरह से मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं. 15 मिनट बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें. यह मुहांसों को रोकने के लिए एक बेहतरीन मास्क है.

वहीं, तीसरा तरीका यह है कि 2 से 3 चम्मच टमाटर की प्यूरी लें और इसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें और मिला लें. अब इस मिश्रण को त्वचा पर लगाकर 10 से 15 मिनट बाद धो लें. यह स्किन पर काले धब्बे और पिगमेंटेशन को हटाने और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करेगा.

चौथा तरीका यह है कि एक टमाटर को पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें. इसमें आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें और मिला लें. इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें. यह मास्क त्वचा की सूजन और रंग परिवर्तन जैसी समस्याओं को दूर करने में प्रभावी है. यह सूर्य की रोशनी से होने वाली त्वचा की क्षति की मरम्मत में भी मदद करेगा.

पांचवा तरीका यह है कि एक टमाटर को आधा काटें और उसपर थोड़ा चीनी छिड़क दें. आप इसका उपयोग अपने चेहरे और गर्दन पर तीन मिनट तक गोलाकार गति में धीरे-धीरे मालिश करने के लिए कर सकते हैं. फिर इसे ठंडे पानी से धो लें. यह डेड स्किन सेल्स को हटाने और त्वचा को नरम बनाने के लिए सबसे अच्छा है. ऐसा करना भी चेहरे की चमक बढ़ाने में कारगर है.

बहुत ज्यादा टेंशन होने पर कैसे करें मन शांत, जानिए काम आने वाले 5 तरीके

रोजाना के बिजी शेड्यूल की वजह से ज्यादा तर लोग खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग तनावग्रस्त हैं। तनाव की वजह से मन अशांत रहता है और बड़े फैसले लेना मुश्किल होता है। टेंशन के बीच मन को शांत रखना सरल काम नहीं है, लेकिन नामुमकिन भी नहीं है। छोटे-छोटे तरीकों को अपनाकर आप टेंशन में भी मन को शांत रख सकते हैं।

गहरी सांस लेना

अपनी नाक से गहरी सांस लें और फिर कुछ सेकंड के लिए रोककर रखें बाद में अपने मुंह से धीरे-धीरे सांस छोड़ें। ऐसा करते समय अपनी सांस की अनुभूति पर ध्यान केंद्रित करें।

माइंडफुलनेस प्रेक्टिस आएगी काम

अपने आस-पास के माहौल और शरीर की संवेदनाओं पर ध्यान दें। आप 5-4-3-2-1 तकनीक को आजमा सकते हैं। इसके लिए 5 ऐसी चीजें पहचानें जिन्हें आप देख सकते हैं, 4 ऐसी चीजें जिन्हें आप छू सकते हैं, 3 ऐसी चीजें जिन्हें आप सुन सकते हैं, 2 ऐसी चीजें जिन्हें आप सूंघ सकते हैं और 1 ऐसी चीज जिसे आप चख सकते हैं।

टहलने से मिलेगी मदद

टेंशन के बीच मन को शांत रखने का सबसे अच्छा तरीका है कुछ मिनटों के लिए बाहर निकलें और वॉक करें। इस दौरान अपने आस-पास के वातावरण पर ध्यान केंद्रित करें।

शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें

बहुत ज्यादा टेंशन के बीच ऐसा करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर आप गलत फैसले लेने से बचना चाहते हैं तो मन शांत करने के लिए शांत करने वाले म्यूजिक को सुनें। म्यूजिक हृदय गति और ब्लडप्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

च्युइंग गम आएगी काम

बहुत से लोग इसे खाना पसंद नहीं करते हैं लेकिन स्ट्रेस के बीच मन शांत करने में ये आपकी मदद कर सकती है। जब भी आपको तनाव महसूस हो तो च्युइंग गम चबाना शुरू कर दें। दरअसल च्युइंग गम चबाने से तनाव से जुड़े हार्मोन कोर्टिसोल के लेवल को कम करने में मदद मिलती है, जिससे यह तनाव को जल्दी से मैनेज करने में मदद करता है।

बिना एक बूंद तेल डाले सिर्फ 10 मिनट में बनाएं ये तीखी और स्वादिष्ट चटनी

अक्सर ऐसा होता है कि हमारे पास सब्जी का ऑप्शन नहीं होता या सब्जी बनाने का समय नहीं होता, ऐसे में महिलाओं के सामने सवाल होता है कि अब किचन का क्या करें. ऐसे मौकों पर ज्यादातर घरों में आटे या दाल से बनी चीजें बनती हैं. लेकिन आज हम आपके लिए एक अलग ऑप्शन लेकर आए हैं. अगर आपके घर में सब्जी का ऑप्शन नहीं है तो आप ये रेसिपी ट्राई कर सकती हैं.

चटनी बनाने की सामग्री हर किसी के घर में मौजूद होती है. कुछ लोग मिक्सी में पीसकर किसी तरह की चटनी बना लेते हैं या फिर कई तरह की सामग्री और तेल मिलाकर चटनी बना लेते हैं. लेकिन एक ऐसी चटनी भी है जो बिना तेल के बनती है. इसके लिए आपको चूल्हा जलाने की भी जरूरत नहीं है. इसके अलावा इस चटनी को बनाने में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती. ये स्वादिष्ट चटनी बहुत कम सामग्री और बहुत कम समय में बनकर तैयार हो जाती है.

आइए जानते हैं 10 मिनट में बनने वाली प्याज और मिर्च की चटनी बनाने की विधि...

प्याज हरी मिर्च चटनी के लिए आवश्यक सामग्री

हरी मिर्च - 10 से 12

बड़े प्याज - 1

जीरा - 1 छोटा चम्मच

इमली - आवश्यकता अनुसार

छिली हुई लहसुन की कलियां - 10

धनिया पत्ती - आवश्यकता अनुसार

नमक - स्वाद अनुसार

बनाने की विधि

ऐसी मोटी हरी मिर्च चुनें जो आपके द्वारा प्रतिदिन उपयोग की जाने वाली गहरी हरी मिर्च की तुलना में कम हरी हो। क्योंकि मोटी मिर्च पतली मिर्च की तुलना में कम तीखी होती है.

अब मिर्च को बारीक काट लें.

यदि आप चटनी को तीखा बनाना चाहते हैं तो आप इसमें दो या तीन गहरे हरे मिर्च भी डाल सकते हैं.

इमली के टुकड़े लें और उन्हें एक कटोरे में भिगो दें.

लहसुन की कलियां छीलकर अलग रख दें.

अब एक बड़ा प्याज लें और उसे मध्यम आकार के टुकड़ों में काट लें.

फिर उपरोक्त सभी सामग्री को एक कटोरे में डालें और इसमें एक चम्मच जीरा डालें.

इस मिश्रण में भिगोई हुई इमली का पानी डालें और अच्छी तरह मिला लें.

इस मिश्रण को मिक्सर में पीस लें, लेकिन ध्यान रखें कि आपको पूरा थोड़ा दरदरा पीसना है या फिर आपको पास कूटने के लिए ओखली और मूसल सेट है तो उसमें अच्छे से कूट लें

चटनी अगर मोटी होगी तो ही खाने पर उसका स्वाद बेहद अच्छा लगेगा.

अब स्वादिष्ट चटनी तैयार है.

इस चटनी को आप रोटी या गरम चावल के साथ खा सकते हैं.

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com